हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 305 देहरादून, सोमवार, 03 जून, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

पर्यटकों के लिए खुली विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी, कीजिए 600 से अधिक फूलों के दीदार 5

सीएम धामी ने बदरीनाथ में श्रद्धालुओं से लिया फीडबैक

मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ रखने के दिये निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 03 जून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बदरीनाथ पहुंच कर श्रद्धालुओं की सुविधाओं और यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा प्रबंधन से जुड़े विभागों को बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगमता का ध्यान रखते हुए यात्रा व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। ताकि यात्रा सुचारू और व्यवस्थित तरीके से चलती रहे और श्रद्धालुओं को बद्रीनाथ धाम में सुगमता से दर्शन होते रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनसे व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया।

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टोकन काउंटर, क्यू मैनेजमेंट, कंट्रोल रूम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य आदि सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को आपसी सामंजस्य से कार्य करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। धामों की क्षमता के अनुसार यात्रा संचालित की गई है और अब यात्रा पूरी तरफ से व्यवस्थित है। श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन के अवसर मिल रहे है। यात्रा सुचारु रूप से चल रही है। स्थानीय स्टेकहोल्डर्स के बदरीनाथ धाम के लिए यात्रियों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव पर सीएम ने कहा कि इसका आकलन किया जाएगा और धाम में क्षमता के अनुसार यात्रियों की संख्या बढायी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदरीनाथ में पर्याप्त संख्या में होटल एवं ठहरने की क्षमता है। लोगों को सुविधा और सुरक्षा मिले यह हमारी प्राथमिकता है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बदरी विशाल के दर्शन और पूजा कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना भी की।

मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने बद्री प्रसाद भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, एसडीएम सीएस वशिष्ठ, सीओ प्रमोद शाह, बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार, ईओ सुनील पुरोहित आदि मौजूद थे।

सीएम ने बनबसा में विद्युत, पेयजल, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग तथा सिंचाई विभाग की समीक्षा की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जनपद चंपावत में एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम पर बनबसा पहुंचे। बनबसा के एनएचपीसी सभागार में उन्होंने विद्युत, पेयजल, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग तथा सिंचाई विभाग आदि की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों की लापरवाही एवं उदासीनता पर सख्त होते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई कहा कि सभी अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं साथ ही उन्होंने ऊर्जा और पेयजल के क्षेत्र में लापरवाही करने वाले अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि बिजली पानी से जनता परेशान हुई तो अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे। उन्होंने पूर्णागिरि में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने कहा कि मां पूर्णागिरी में आने वाले श्रद्धालुओं को भी बिजली पानी की दिक्कत न होने पाए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भविष्य को देखते हुए आवश्यक विद्युत की मांग के अनुरूप आपूर्ति की योजनाएं अभी से तैयार कर लें। उन्होंने यूपीसीएल, पिटकुल व उरेडा से मिलकर प्रस्ताव तैयार करते हुए नए विद्युत घरों के कार्य का निर्माण शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे को निर्देश दिए कि जनपद में होने वाले प्रत्येक निर्माण कार्यों में पूर्ण गुणवत्ता, समयबद्धता तथा पारदर्शिता रहे। इस हेतु वह स्वयं स्थलीय निरीक्षण कर समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन भूमि हस्तांतरण के कारण जो भी परियोजनाएं लंबित हो रही हैं। उनका त्वरित निस्तारण करते हुए अधिकारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी से कार्य करें और शासन स्तर की समस्या हेतु अधिकारी देहरादून आकर संबंधित विभाग और स्वयं उनसे मिलकर समस्या का निवारण करें, ताकि समस्या का समाधान शीघ्र हो सके। उन्होंने कहा कि टनकपुर बनबसा क्षेत्र में पुरानी विद्युत लाइनें एवं ट्रांसफार्मर को एक माह के भीतर बदलने के साथ ही एलटी लाइन को भूमिगत करने हेतु प्रस्ताव तैयार करें साथ ही नए टर्मिनल भी बनाएं।

उन्होंने कहा कि अधिकारी जनता की समस्याएं प्राथमिकता से सुनते हुए उनका निस्तारण करें और किसी भी प्रकार से जनता को उनकी समस्याओं से उलझाए नहीं। ग्रीष्मकाल में बढ़ती विद्युत की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अपने कार्यालय एवं आवासों में ग्रिड कनेक्टेड सोलर पावर प्लांट (सीएम सूर्य घर योजना) को लगाने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री धामी ने जनता से भी इस योजना का लाभ लेने की अपील की। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग में प्रमुख अभियंता को प्रदेश के छोटे शहर व कस्बों जहां जाम की स्थिति होती है वहां बाईपास का निर्माण कराने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। किसी भी समस्या का स्थाई समाधान हो इस हेतु अधिकारी इसे गंभीरता से लें। जो कार्य जिस स्तर पर संभव हो अधिकारी व्यक्तिगत लेते हुए कार्यों को अपने स्तर से ही स्वीकृत कराए, बेवजह उन्हें लंबित न रखें। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड है।

मुख्यमंत्री ने कुमाऊं आयुक्त को समय-समय पर विकास योजनाओं की अपने स्तर से समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्णागिरि मेला क्षेत्र व शारदा घाट हेतु बनने वाले शारदा कॉरिडोर के निर्माण हेतु बेहतर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश जिलाधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए जो भी योजनाएं बनाई जाती हैं उसके लिए भूमि का चयन करते समय उसकी पूरी उपयोगिता जनता को मिले इसका विशेष ध्यान भूमि चयन करते समय रखा जाए।

आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत ने वर्तमान में विद्युत, पेयजल आदि की व्यवस्था एवं मानसून की पूर्व तैयारी के संबंध में जानकारी दी।

बैठक में उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन, पिटकुल, उत्तराखंड जल निगम, विद्युत निगम, लोक निर्माण विभाग एवं जल संस्थान के विभागाध्यक्ष द्वारा वर्तमान में विद्युत पेयजल की समस्या के समाधान हेतु की जा रही कार्यवाही को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया। बैठक में विद्युत विभाग के विभागाध्यक्ष ने अवगत कराया की टनकपुर- बनबसा क्षेत्र के अंतर्गत वर्तमान में विद्युत लाइन की फीडर है व पुरानी होने के साथ ही एक ही फीडर से ही चार सब स्टेशन के कारण समस्या हो रही है। वर्तमान में इस समस्या के समाधान हेतु अलग सर्किट का निर्माण तथा 6 नए बिजली घर प्रदेश में बनाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने पर्यटन हेतु स्वदेश दर्शन योजना, शारदा कॉरिडोर, मा. मुख्यमंत्री घोषणा, सड़क मार्गों, सिंचाई परियोजना आदि की भी समीक्षा की। उन्होंने नदियों में बाढ़ सुरक्षा हेतु चैनेलाइजेशन, रिवर ट्रेनिंग आदि सुरक्षा के कार्यों के साथ ही बरसात से पूर्व सभी सड़क मार्ग में नाली सफाई, ड्रेनेज व्यवस्था आदि करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष जिला स्तर पर वर्चुअल माध्यम से कार्य योजनाओं की समीक्षा करें।

AI कर रहा है अनोखी खोज, ढूंढ रहा है दुनिया के सबसे अकेले पौधे का साथी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग एक अनोखी खोज के लिए हो रहा है. वैज्ञानिक एक करीब करीब विलुप्त हो चुके नर पौधे के लिए मादा साथी की खोज करने के लिए इसकी मदद ले रहे हैं. यह पौधा भी अपने आप में कम खास नहीं है, क्योंकि जिसे 'दुनिया का सबसे अकेला पौधा' कहा जाता रहा है. बताया जा रहा है कि यह पौधा डायनासोर के युग से भी पहले का है। ई.वुडी साईकैड्स का एक सदस्य है, जो पृथ्वी पर मौजूद सबसे पुराना बीज वाला पौधा है. वे डायनासोर से भी पुराने हैं. यह प्रजाति बदकिस्मती से जंगल में विलुप्त हो चुकी है, आखिरी प्रजाति दक्षिण अफ्रीका के नगोये वन में पाई गई थी।

वनस्पति उद्यानों में लगातार प्रसार के कारण इसे पूरी तरह से विलुप्त होने से बचाया जा सका है. वैज्ञानिक प्राकृतिक प्रजनन के माध्यम से फिर से आबादी बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन उनके सामने समस्या यह है कि किसी को भी मादा पौधा नहीं मिला है. शोधकर्ताओं की एक टीम ने मादा साथी को खोजने के लिए नगोये वन की खोज की है, जिसे पहले कभी पूरी तरह से खोजा नहीं गया था। ड्रोन के उन्नत कैमरे के बावजूद, 10 हजार एकड़ के विशाल जंगल की खोज करना एक कठिन काम बना हुआ है. हाल ही में केवल 195 एकड़ के सर्वेक्षण में 15,780 चौंकाने वाली तस्वीरें मिलीं, जो संसाधित किए जाने वाले डेटा की विशाल मात्रा का संकेत देती हैं. यह बहुत सारी तस्वीरें हैं, इसलिए टीम एआई की मदद से उनका विश्लेषण कर रही है। प्रोजेक्ट का नेतृत्व कर रही डॉ. लॉरा सिंटी ने बताया कि एआई के साथ, वैज्ञानिक पौधों को आकार से पहचानने के लिए एक छवि पहचान एल्गोरिथ्म का उपयोग कर रहे हैं. उन्होंने पौधों की तस्वीरें बनाई हैं और उन्हें अलग-अलग हालात में रखा है, ताकि मॉडल उन्हें पहचानने के लिए प्रशिक्षित हो सके. अभी मादा पौधा नहीं मिला है, जबकि अब तक जंगल के दो प्रतिशत से भी कम हिस्से की ही खोज की गई है।

कमाल का है ये अंगूठा, इसे लगाने से एक हाथ से हो पाएंगे दो हाथों के काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : क्या हो अगर आप के एक हाथ में कुछ ऐसा जोड़ दिया जाए जिससे दो हाथों का काम एक ही हाथ से होने लगे. जी हां एक नई रिसर्च में यह सब संभव कर दिखाया है. कैमब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा रोबोटिक आर्टिफिशियल अंग बनाया है, जिसे पहनने वाला व्यक्ति ऐसे काम कर सकता है, जिन्हें करने के लिए आमतौर पर दो हाथों की जरूरत होती है. इसे तीसरा अंगूठा कहा जा रहा है, यह अतिरिक्त अंगूठा दाहिने हाथ के किनारे से जुड़ा होता है. यह यूजर को एक हाथ से ही कोल्ड ड्रिंक्स की बोतलें खोलने, केले छीलने और सुई में धागा डालने की सुविधा देता है।

यह कई काम बेहतर तरीके से करने की सुविधा भी देता है, जैसे कि माता-पिता जो बच्चे को गोद में लेकर खाना बना रहे हों. तीसरा अंगूठा पहनने वाले के असल हथेली पर अंगूठे के उलट पहना जाता है और बड़े पैरों के अंगूठों के नीचे रखे गए दबाव सेंसर से कंट्रोल होता है. अंगूठे से पैर के सेंसर वायरलेस रूप से जुड़े होते हैं. दबाव में छोटे बदलावों का जवाब देकर कई गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं।

कैमब्रिज विश्वविद्यालय के इस अध्ययन से पता चला है कि वॉलेंटियर ने अतिरिक्त उंगली होने के लिए जल्दी से खुद को ढाल लिया, जिसके बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि यह "वर्तमान जैविक सीमाओं से परे हमारी मोटर क्षमताओं को आगे बढ़ा सकता है" मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विश्वविद्यालय के एमआरसी संज्ञान और मस्तिष्क विज्ञान इकाई के शोधकर्ताओं का मानना है प्रतिभागियों को छोटे-छोटे कार्य करने का काम दिया गए थे, जिसमें सही मोटर कौशल की जरूरत थी जैसे कि खूंटे को टोकरी में रखना और वस्तुओं को हिलाना।

अध्ययन में पाया गया कि 98% वॉलेंटियर उपयोग के पहले मिनट के अंदर ही अंगूठे को अच्छे से हिला पा रहे थे. अध्ययन की लेखिका लूसी डॉव्डल कहती हैं हमारे रोजाना जीवन में पहले से ही पहनने लायक तकनीकें इस्तेमाल की जा रही हैं और अब हम देख रहे हैं कि विशेष रूप से बेहतर तकनीकों की संख्या बढ़ रही है." भविष्य यह एक हाथ वाले लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी आसान कर सकती है।

तेज धूप और गर्मी से बचाव के लिए उपयोगी हैं ये उपाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : भारत में गर्मी का प्रकोप जारी है. गर्मी में कई लोगों को अपने आवश्यक कार्यों के संबंध में बाहर निकलना पड़ रहा है. सभी जगह ऑनलाइन सुविधा के चलते घर तक सामान पहुंचाने की सुविधाएं शुरू की जा रही है, इसलिए इस गर्मी में भी सामान पहुंचाने के लिए कई लोग होम डिलीवरी का कार्य कर रहे हैं. इसके अलावा भीषण गर्मी के मौसम में भी संक्रमण के इस दौर में पुलिसकर्मी, स्वास्थ्यकर्मी, मीडियाकर्मी और सभी डॉक्टर अपने कार्य में लगातार जुटे हुए हैं।

मुंह व सिर को तेज धूप से बचें धूप में त्वचा जलने की आशंका रहती है, जिसे सनबर्न कहा जाता है. इसलिए गर्मी में धूप से बचाव करना बेहद ही आवश्यक हो जाता है, क्योंकि यदि धूप सीधे मुंह पर लगती है तो लू लग सकती है. इसलिए बाहर निकलने से पहले अपने मुंह और सिर को अच्छी तरह से कपड़े से ढक लेना चाहिए. गर्मी में शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन हो सकता है। इसलिए इस समय बाहर निकलते समय अपने साथ पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए और बाहर निकलने से पहले अधिक मात्रा में पानी पीकर निकलने से लू का खतरा भी कम हो जाता है. पानी में थोड़ा नमक और नींबू का रस भी मिला सकते हैं. सूती और आरामदायक कपड़े पहने गर्मी के समय में सूती कपड़े पहनने से बीमारियां नहीं होती हैं, क्योंकि सूती कपड़े पसीने को जल्दी सोख लेते हैं. इसके अलावा गर्मी के मौसम में ढीले कपड़े पहनने चाहिए, ताकि पसीने से भीगे कपड़े शरीर पर अधिक देर तक चिपके न रहें. फैशन के चलते जींस व टाइट टी-शर्ट आदि कपड़ों को पहनने से बचना चाहिए.बाहर जाने से पहले जरूर लगाएं लोशन गर्मी में बाहर निकलने पर चेहरे पर धूप लगने से पिगमेंटेशन हो सकते हैं।

और त्वचा खराब हो सकती है, इसलिए बाहर निकलने से पहले त्वचा पर क्रीम जरूर लगानी चाहिए. यह क्रीम सूर्य की खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणों से त्वचा की रखा करती है और सन बर्न जैसी समस्या भी नहीं होती है.अच्छी क्वालिटी वाले सनग्लासेस लगाएं आंखों की सुरक्षा के लिए सनग्लासेस पहनना जरूरी है क्योंकि धूप के कारण हमारी आंखों में जलन हो सकती है, इसलिए जब भी बाहर निकलें तो साथ में सनग्लासेस जरूर रखें. यहां यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि सनग्लास अच्छी क्वालिटी के होने चाहिए. फल का जूस ज्यादा पिएं गर्मी के समय में शरीर में पानी की कमी होना स्वाभाविक है। ऐसे में सिर्फ पानी पीकर पानी की कमी को दूर नहीं किया जा सकता है. इसलिए जब भी बाहर निकलें, फल जैसे केला, गन्ने का जूस आदि का सेवन जरूर करते रहें, ताकि शरीर में ऊर्जा बनी रहे. अधिक वसायुक्त भोजन से बचें गर्मी के मौसम में ज्यादा वसायुक्त यानी ज्यादा तेल वाली चीजें खाने से भी परहेज करना चाहिए. इसके बजाए अधिक मात्रा में सलाद खाना चाहिए, जिससे शरीर में पानी की कमी न हो. गर्मी में प्याज अधिक मात्रा में खाएं, क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है।

SSP लोकेश्वर सिंह के निर्देशन में, पौड़ी पुलिस का अपराधियों पर कड़ा वार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 03 जून : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने जनपद में आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम, आदतन अपराधियों को चिन्हित कर उनकी निगरानी करने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाए जाने तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है।

जिसके क्रम में कोतवाली कोटद्वार पुलिस द्वारा जिला मजिस्ट्रेट जनपद पौड़ी गढ़वाल के आदेश के अनुपालन में जनपद पौड़ी गढ़वाल में निवासरत अभियुक्त 1- आशीष जुयाल पुत्र दिवाकर प्रसाद निवासी लक्ष्मी वैडिंग प्वाईंट कोतवाली कोटद्वार 2-दीपक रावत रावत पुत्र लाल सिहं निवासी झूला पुल कोतवाली कोटद्वार 3- विनोद थापा पुत्र टीका राम निवासी झूला बस्ती लकड़ीपड़ाव कोटद्वार 4- मनमोहन सिह पुत्र बलबहादुर सिहं निवासी स्टैडियम रोड़ झूलापुल गाड़ी घाट कोटद्वार 5- कमलेश शर्मा पुत्र स्व0 प्रकाश चन्द्र निवासी ट्यूवैल के पास गाड़ी घाट कोटद्वार 6-उत्तम सिहं पुत्र उम्मेद सिहं निवासी झण्डीचौड़ पूर्वी कोतवाली कोटद्वार जनपद पौड़ी गढ़वाल के विरुद्ध उ0प्र0 गुंडा नियंत्रण अधिनियम -1970 की धारा 3 (क) की कार्यवाही कर अभियुक्त को छः माह के लिये जिला बदर (तड़ीपार) की कार्यवाही की गयी।

अब यह सक्रिय अपराधी 6 माह तक जिले की सीमा में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। अभियुक्तों द्वारा जनपद में लगातार सक्रिय रहकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। जनपद में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आदतन अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही लगातार जारी है।

यात्रा ड्यूटी में तैनात पुलिस जवानों के स्वास्थ्य के प्रति पुलिस गंभीर : एसपी

रुद्रप्रयाग। पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे के आग्रह पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार से यात्रा में तैनात सभी पुलिस कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण शुरू कर दिया गया है। एसपी का कहना है कि सोनप्रयाग से लेकर केदारनाथ तक ड्यूटी पर तैनात अधीनस्थ पुलिस बल के स्वास्थ्य के प्रति पुलिस गंभीर है। सभी स्थानों पर तैनात पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य का नियमित परीक्षण कर उन्हें हर संभव सुविधाएं दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक द्वारा यात्रा शुरू होते ही मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र देते हुए यात्रा मार्ग में तैनात हर पुलिस कर्मी के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आग्रह किया था किंतु शुरूआत में ही यात्रा चरम पर होने के कारण यह संभव नहीं हो सका। अधिक श्रद्धालुओं के केदारनाथ आने से उनकी सुरक्षा को देखते हुए पुलिस बल के साथ ही पीएसी, एसडीआरएफ, फायर, अभिसूचना, संचार,होमगाड्र्स, पीआरडी जवान अपने दायित्वों का निर्वहन करने में जुट गए। ऐसे में इन जवानों के स्वास्थ्य की जांच के लिए एसपी द्वारा सीएमओ एचसीएस मार्तोलिया को पुनः आग्रह किया गया जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच शुरू कर दी गई है।

पानी न आने से ग्रामीण परेशान

चमोली। लंगासू क्षेत्र के उल्फाड़ा गांव में पानी न आने से ग्रामीण परेशान हैं। बीते दिन जल संस्थान के अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन देकर ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई पेयजल योजना को दुरस्त कर पानी की आपूर्ति बहाल करने की मांग उठाई है।ज्ञापन में नरेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, माहेश्वरी देवी, मुन्नी देवी, अंजना देवी व जितेंद्र कुमार आदि ने बताया कि उल्फाड़ा गांव में करीब 20 परिवार रहते हैं। ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन के तहत पेयजल योजना बनाई गई है। लेकिन योजना का चैंबर क्षतिग्रस्त होने से उसमें पानी नहीं रूक पा रहा है।

राजतिलक के साथ रामलीला संपन्न

चमोली। अपर बाजार कर्णप्रयाग में आयोजित रामलीला भगवान श्रीराम के राजतिलक के साथ संपन्न हो गई। पंडित सीपी खंडूड़ी और महानंद मैठाणी ने विधि विधान से पूजा अर्चना की। कमेटी के अध्यक्ष हरिकृष्ण भट्ट, महामंत्री राजेश जोशी और कोषाध्यक्ष नवीन डिमरी ने रामलीला कमेटी की ओर से सभी रामभक्तों का आभार जताया। भगवान श्रीराम, सीता माता, लक्ष्मण, अनुमान और वानर सेना के अयोध्या लौटने पर शानदार झांकी निकाली गई। इस दौरान भक्तों ने श्रीराम के जयकारे लगाए और माथे पर विजय तिलक लगाकर प्रसाद गृहण किया। मौके पर अभिनव जोशी, गौतम सगोई, हर्षवर्धन राणा, आदित्य नवानी, कमलेश गैरोला, प्रफुल्ल थपलियाल, कांति डिमरी, अनिल खंडूड़ी, पारसिंह कंडवाल, मनोज, रोहित सारस्वत, प्रदीप बिष्ट, आशुतोष पुरोहित सहित कोरस की बालिकाओं को पुरस्कार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

बदरीनाथ हाईवे पर शराब की दुकान खोलने का लोगों ने किया विरोध

चमोली। आबकारी विभाग की ओर से कर्णप्रयाग में बदरीनाथ हाईवे पर शराब की दुकान खोलने का लोगों ने विरोध किया है। बीते दिन लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर शराब की दुकान को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग उठाई है। व्यापार संघ के पदाधिकारी राजेश नेगी, अंशी देवी, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष दीपक रावत, छात्र संघ अध्यक्ष प्रीतम सिंह आदि ने कहा कि वर्तमान समय में चारधाम यात्रा चरम पर है। कर्णप्रयाग में बदरीनाथ हाईवे पर जहां आबकारी विभाग ने शराब की दुकान खोली है वहां से उमा देवी मंदिर, कर्ण मंदिर, शिव मंदिर सहित शिक्षण संस्थान काफी नजदीक हैं। उमा देवी मंदिर गेट से मात्र 60 मीटर दूरी पर शराब की दुकान खोली गई है। नई दुकान खलने के स्थान पर टैक्सी स्टेंड और सड़क पर संकरा मोड़ भी है। जिससे वहां वाहनों का जाम लगता है और दुघर्टना का खतरा बना है। उन्होंने एसडीएम से शराब की दुकान को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग की है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले होंगे सम्मानित

चमोली। 27 वां गौरा देवी पर्यावरण एवं प्रकृति पर्यटन विकास मेला 5 और 6 जून को उर्गम घाटी में आयोजित किया जायेगा। पिछले 26 वर्षों से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को इस बार भी भव्यता से मनाया जायेगा। कार्यक्रम की तैयारियों पर आयोजक समेत क्षेत्र की जनता जुटी है। गौरा देवी मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह रावत, क्षेत्र के संस्कृति धर्मी रघुवीर सिंह नेगी, उर्गम की ग्राम प्रधान मिंकल देवी ने बताया कि बैठक में मेले की रूपरेखा के बारे में विस्तार से चर्चा पर चर्चा की गई। बताया गौरा देवी सम्मान के लिए ग्रामीण पृष्ठभूमि के सीमांत क्षेत्र के बच्चों को हाई स्कूल और इंटरमीडिएट कक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने के लिए प्रतिभा सम्मान तथा पर्यावरण संस्कृति शिक्षा साहित्य कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मान के लिए चयनित किया गया है। पत्रकारिता और ग्रामीण विकास के लिए पत्रकार पूरन भिलंगवाल, सुरेन्द्र रावत, प्रदीप भंडारी, सोनिया मिश्रा, रंजीत रावत को पुरस्कार के चयनित किया गया।

कांग्रेसी बोली झूठे साबित होंगे एग्जिट पोल

नई टिहरी। कांग्रेस पार्टी कार्यालय में रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन कम से कम 295 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। 4 जून को सभी एग्जिट पोल गलत साबित होंगे। जिलाध्यक्ष राकेश राणा, प्रदेश प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट, पीसीसी सदस्य देवेंद्र नौडियाल, नवीन सेमवाल आदि ने कहा कि झूठे एग्जिट पोल जारी करवाकर भाजपा सरकार विपक्षियों और जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया निर्विध्न संपन्न कराने पर जिला प्रशासन का आभार जताया है।

मिनिस्टीरियल कर्मियों को डीडीओ बनोन का विरोध

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक संघ ने महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा को ज्ञापन प्रेषित कर उपशिक्षा अधकारी का डीडीओ एवं प्रभार मिनिस्टिरीयल कर्मियों को दिये जाने का विरोध किया है। ज्ञापन के माध्यम से संघ ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से प्रत्येक शिक्षक की भावनाएं आहत होंगी। संघ ने कहा कि ऐसा निर्णय अगर लागू किया जाता है तो सभी शिक्षक इस फैसले के विरोध में सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। इसलिए उपशिक्षा अधिकारी का प्रभार व डीडीओ मिनिस्टीरियल कर्मियों के बजाय सीनियर अध्यापक को देने का काम किया जाय। ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नेगी, मंत्री प्रीतम सिंह बतर्वाल, कोषाध्यक्ष अजय चमोली आदि शामिल रहे।

मार्शल आर्ट्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रुद्रप्रयाग के पांच खिलाड़ी जीते मेडल

रुद्रप्रयाग। बुद्धम वर्ल्ड मार्शल आर्ट फेडरेशन द्वारा लखीमपुर खीरी में आयोजित मार्शल आर्ट्स की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रुद्रप्रयाग के पांच छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन कर गोल्ड सहित कई मेडल जीतने में कामयाबी पाई। इस प्रतियोगिता में 6 राज्यों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता संपंन होने के बाद रुद्रप्रयाग लौटे विजेता छात्र-छात्राओं को स्थानीय लोगों द्वारा स्वागत किया गया। बता दें कि लखीमपुर खीरी में बुद्धम वर्ल्डमार्शल आर्ट फेडरेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय आल इंडिया प्रथम मार्शल आर्ट राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रुद्रपुर के एक, विकासनगर के एक खिलाड़ी और रुद्रप्रयाग के पांच प्रतिभावान खिलाड़ियों ने उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सभी खिलाड़ियों ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 8 मेडल अपने नाम किए।

संक्षिप्त खबरें

5752 छात्रों ने दी गढवाल विवि की बीएड प्रवेश परीक्षा

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि की बीएड प्रवेश परीक्षा प्रदेश भर के 15 परीक्षा केन्द्रों में रविवार को सम्पन्न हुई। गढ़वाल विवि के परीक्षा नियंत्रक अनिल नौटियाल ने बताया कि 15 परीक्षा केन्द्रों में हुई बीएड प्रवेश परीक्षा में गढवाल विवि के बिड़ला परिसर श्रीनगर के परीक्षा केंद्र में 700 में से 646, चौरास परिसर श्रीनगर में 371 में 343, एसआरटी परिसर बादशाहीथौल टिहरी में 348 में से 305 छात्रों ने परीक्षा दी। बीजीआर परिसर पौड़ी में 182 में से 163 छात्रों ने परीक्षा दी। डीएवी पीजी कालेज देहरादून में 700 में से 583, डीबीएस पीजी कालेज देहरादून में 600 में से 512 ने परीक्षा दी। ऐसे ही अन्य केंद्रों में अन्य छात्रों ने परीक्षा दी। प्रो. नौटियाल ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्र में बीएड प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

अलकनंदा घाट पर चलाया सफाई अभियान

श्रीनगर गढ़वाल। भागीरथी कला संगम के सदस्यों ने रविवार को अलकनंदा घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। संस्था के उपाध्यक्ष रवि पुरी ने कहा की संस्था समय-समय इस तरह के सामाजिक कार्यों को करती रही और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था का काम ही लोगों को सामाजिक कार्यों के प्रति जागरूक करना है। संस्था के सचिव मुकेश नौटियाल ने कहा की अगले रविवार को उनके द्वारा शारदा स्नान घाट पर भी सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने संस्था से जुड़े नए सदस्यों का भी स्वागत किया। मौके पर राजेंद्र बर्थवाल, मदन गाडोई, भगतसिंह बिष्ट, मुकेश नौटियाल, धर्मेंद्र, संजय कोठारी, पदमेन्द्र रावत, रवि पूरी, दिनेश उनियाल, दिनेश लिंगवाल मौजूद रहे।

पारदर्शिता के लिए आरटीआई की भूमिका अहम : योगेश भट्ट

नई टिहरी। राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट की अध्यक्षता में रविवार को प्रेस क्लब में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की एक दिवसीय कार्यशाल का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि आजादी के बाद सूचना का अधिकार एक ऐसा कानून सामने आया है। जिसमें आम व्यक्ति को शक्ति प्रदान की गई है। इस कानून की मदद से पारदर्शी सिस्टम को मजबूत करने का काम बखूबी किया जा सकता है। रविवार को आयोजित एक दिवसीय सूचना का अधिकार अधिनियम कार्यशाला का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथ योगेश भट्ट ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष शशि भूषण भट्ट, महामंत्री गोविंद पुंडीर और नागरिक मंच के अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। साहित्यकार सोमवारी लाल सकलानी ने अपनी कविता से सूचना के अधिकार अधिनियम के महत्व पर प्रकाश डाला।

पांच दिनों से धधक रहे बालगंगा रेंज के जंगल

नई टिहरी। टिहरी वन प्रभाग के बालगंगा रेंज के जंगल धू-धूकर जल रहे हैं। लेकिन वन विभाग वनाग्नि पर काबू पाने में नाकाम साबित हो रहा है। कई दिनों से बालगंगा रेंज के जंगलों में चारों ओर लगी आग चपेट में आने से चीड़, देवदार और बांज-बुरांस के जंगल जलकर खाक हो चुके है। बीते भिलंगना ब्लॉ के आरगढ़, गोनगढ़, अपर केमर, बासर व बूढाकेदार के जंगलों में बीते 5 दिनों से आग लगी हुई है।

लिपिक वर्ग को डीडीओ बनाने का किया विरोध

नई टिहरी। शिक्षा विभाग के लिपिक वर्ग को बीईओ और डिप्टी ईओ का चार्ज देने और आहरण वितरण अधिकारी बनाने की सरकार की मंशा का राजकीय शिक्षक संघ की गढ़वाल मंडल इकाई ने रविवार को कड़ा विरोध किया है। राजकीय शिक्षक संघ गढ़वाल मंडल मंत्री डॉ हेमंत पैन्यूली और मंडल के प्रवक्ता कमल नयन रतूड़ी ने महानिदेशक के हवाले से आए इस आशय के समाचार पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा कोई प्रस्ताव है, तो इसे तत्काल निरस्त किया जाए। यदि शिक्षकों का अधिकार किसी अन्य को दिया गया, तो राजकीय शिक्षक संघ इसका कड़ा विरोध करेगी।

हल्की बरसातके बाद फिर सुलग उठे जंगल

नई टिहरी। देवप्रयाग क्षेत्र में करीब एक माह बाद हुई हल्की बरसात से जंगलों की जो आग किसी तरह काबू हुई थी, लेकिन वह रविवार को फिर से सुलग उठी। इससे क्षेत्र में फिर से धुआं और गर्मी बढ़ गई है।

सबसे बड़ा मॉल : उत्तराखंड के देहरादून में यहां पर बढ़ने लगी भीड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,3,जून मॉल ऑफ देहरादून का उद्घाटन पेसिफिक ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अभिषेक बंसल ने किया। यह उत्तराखंड का सबसे बड़ा मॉल है। अभी तक पूरे उत्तराखंड में इस माल से बड़ा मॉल कोई भी नहीं है यह माल 1071008 वर्ग फुट क्षेत्रफल में बनाया गया है। उद्घाटन के पहले दिन यहां पर लोक गायिका प्रियंका मेहर ने लोगों का गीत गाकर मनोरंजन किया। सबसे बड़ा मॉलः उत्तराखंड के देहरादून में यहां पर बढ़ने लगी भीड़। पहले दिन ही यहां पर अच्छी खासी भीड़ देखी गई।

इस मॉल की सबसे बड़ी खासियत उत्तराखंड के स्थानीय व्यंजनों का फूड कोर्ट में शामिल होना है।सबसे बड़ा मॉल , पहले दिन ही देर शाम तक लोग आते रहे।

उद्घाटन के मौके पर लोक गायिका प्रियंका मैहर के गीत सुनने के लिए लोग देर शाम तक जम रहे लोगों ने न सिर्फ लोक गायिका के गीतों का आनंद उठाया बल्कि उनके गानों पर लोग झूम कर नाचने लगे। देहरादून हरिद्वार रोड पर मोहकमपुर में पैसिफिक ग्रुप ने सबसे बड़े मॉल का शुभारंभ किया है। सभी को पता है कि उत्तराखंड में इतना बड़ा मॉल अभी तक कोई दूसरा नहीं है, हालांकि पेसिफिक ग्रुप का एक माल पहले से ही राजपुर रोड पर खोला जा चुका है।

मॉल ऑफ देहरादून है पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

पेसिफिक ग्रुप का मॉल ऑफ देहरादून के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का पूरी तरह से ख्याल रखा गया है। मॉल के अंदर 600 किलोवाट सोलर फोटो वाटर प्लांट के साथ ही सस्टेनेबल वाटर वेस्ट मैनेजमेंट का पूरा इंतजाम है। मॉल का ये सोलर प्लांट सालाना लगभग 490 000 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करेगा जो कि पर्यावरण में 19600 वृक्षारोपण या 230000 लीटर पेट्रोल के वातावरण में दहन से बचाने के बराबर होगा प्रकृति के संरक्षण का पूरा ख्याल इस चमचमाती मॉल में रखने का सर्वोत्तम प्रयास देखा जा रहा है।

देहरादून में पैसिफिक ग्रुप का यह दूसरा माल है

इस मॉल से पहले भी पेसिफिक ग्रुप ने राजपुर रोड पर पैसिफिक मॉल की शुरुआत कई सालों पहले की थी लेकिन अब हरिद्वार देहरादून रोड पर इस नए मॉल के खुल जाने से देहरादून हरिद्वार ऋषिकेश रुड़की और सहारनपुर के लोग भी शॉपिंग करने यहां पर आसानी से पहुंच सकेंगे, ग्रुप ने इस बड़ी आबादी को आकर्षित करने के लिए ही हरिद्वार देहरादून रोड का चुनाव किया है।

पेसिफिक ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अभिषेक बंसल ने कहा कि उन्होंने यहां पर वास्तु सिर्फ के माध्यम से उत्तराखंड की संस्कृति पर्यटन और स्वादिष्ट व्यंजनों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया है अभिषेक ने कहा कि उन्होंने उत्तराखंड के स्थानीय व्यंजनों को फूड कोर्ट में प्रथम महत्वपूर्ण स्थान दिया है।

बंसल ने बताया कि देहरादून के उनके इस नए मॉल में नेशनल और इंटरनेशनल ब्रांड के रिटेल आउटलेट की विशाल श्रृंखला पेश की है इसके साथ ही 6 स्क्रीन का मल्टीप्लेक्स पीवीआर भी दर्शकों को अपनी ओर जरूर खींचेगा। अभिषेक ने कहा कि लैकोस्टे ,ओनित्सुका टाइगर गैस व गैंट, नायका लक्स जैसे बड़े ब्रांड के अलावा क्रोमा और वेस्टसाइड जैसे कई रिटेल स्टोर कस्टमरों को अपनी ओर बुलाने में कामयाब रहेंगे।

कहीं आपका चेहरा तो नहीं है 'अमीरों वाला'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : अगर आपने चेहरे को आईने में बहुत बार भी देखा होते एक बार फिर से इस नजरिए से देखिए. वह आसपास के लोगों को अनजाने में ही कई तरह के संदेश दे रहा है. एक नई स्टडी के मुताबिक आपका चेहरा लोगों को आपनी समृद्धि के बारे में विचार बनाने में मदद करता है. इस स्टडी में पाया गया है कि लोग खास तरह के चेहरों को अमीर व्यक्ति का चेहरा ज्यादा मानते हैं. स्टडी में ऐसे ही चेहरों के फीचर्स तक को बताया गया है।

ग्लासगो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की इस स्टडी में पाया गया है कि पतले और दोस्ताना दिखने वाले चेहरे लोगों में अमीर होने के भाव पैदा करते हैं यानी कि इस तरह के चेहरों वाले लोगों के बारे में पहले से सोच लेते हैं के वे अमीर होंगे. वहीं गरीब दिखने वाला चेहरा अलग तरह के संकेत देता है। इस स्टडी में साइंटिस्ट में लोगों के तुरंत आने वाले विचारों का विश्लेषण किया जब वे किसी चेहरे को देखते है. उन्होंने पाया कि लोग जिन लोगों को अमीर समझते हैं उन्हें भरोसा करने लायक भी मानते हैं. उनके मुंह मुस्कुराता हुआ रहता है, भौंहें उठी हुई होती हैं आंखें पास-पास होती हैं और लाल गाल होते है. वहीं इनका चेहरा लंबा होता है, नाक बाहर निकली होती है और माथा ऊंचा होता है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस तरह के लोग भरोसेमंद, जोशीले और काबिल लगते हैं. वहीं गरीब दिखने वाले चहेरों की भौहें नीचे की ओर होती है. ठोड़ी छोटी होती है, मुंह नीचे की ओर होता है, उनके चेहरे रंग थोड़े गहरे से होते हैं जिससे लगता है कि वे भरोसेमंद रूखे और काबिल नहीं हैं. रिसर्च में इस बात पर ध्यान दिया कि ऐसा क्या है जिससे लोगो हाई सोसाइटी या फिर कम क्लास के लगते हैं. और से ये चीजें लोगों के व्यक्तित्व की धारणा से जुड़ी होती हैं। स्टडी के प्रमुख लेखिका, डॉ थोरा जोन्सोडोटिर बताती हैं कि केवल चेहरा देखकर ही लोगों के बारे में बनी राय के लंबे नतीजे हो सकते हैं. इस तरह की धारणा बनाने से फायदा और नुकसान दोनों हो सकते हैं. इस अध्ययन से यह पता चलता है कि लोग किस तरह से अपनी धारणा बना लेते हैं और केवल चेहरे को देख कर लोगों के स्तर और उनकी रुतबे आदि के बारे में राय बना लेते हैं।

गर्मी में ठंडक के लिए, सुपरहिट टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जून : गर्मी का मौसम यानी पसीना, आलस, दिनभर सुस्ती, खाने पीने का दिल न करना और पानी से खास लगाव। जी हां, इसके अलावा सेहत से जुड़ी छोटी-मोटी समस्याएं तो इन दिनों में बेहद आम है। इन सभी से बचने के लिए जरूरी है चुस्ती-फुर्ती बनाए रखना और दिनचर्या में कुछ बदलाव भी। जानिए ऐसे ही कुछ जरूरी टिप्स, जो गर्मी की परेशानियों से आपको राहत देंगे

1 धूप से सुरक्षा - गर्मी में सबसे महत्वपूर्ण और पहला टिप्स तो यही है कि आप धूप में निकलते वक्त सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। सुबह दस बजे से शाम चार बजे के बीच धूप में जाने से बचें। अगर बाहर जाना ही पड़े तो शरीर को पूरी तरह से ढक कर, कच्चा प्याज साथ में रखकर ही बाहर निकलें। कैप, सनग्लास और सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें।

2 पेय पदार्थ ज्यादा लें - गर्मी के मौसम में ठोस आहार की बजाए तरल पेय पदार्थ जैसे ठंडा पानी, नींबू पानी, नींबू शिकंजी, शरबत, कैरी का पना, फलों का रस, छाछ, लस्सी ज्यादा मात्रा में लें, इससे शरीर में गिरावट बनी रहेगी और ऊर्जा का स्तर भी बना रहेगा।

3 ठंडी तासीर वाली वस्तुएं - गर्मी के दुष्परिणामों से बचने के लिए ठंडी तासीर के खाद्य पदार्थों का सेवन करें। बेल का शरबत, कैरी का पना, आंवला, कच्चे प्याज को भोजन में शामिल करें। खाद्य पदार्थ को गर्म-ठंडे के आधार पर नहीं बल्कि उनकी तासीर के आधार पर पहचानें जैसे आइसक्रीम, कोल्डड्रिंक और बर्फ का गोला ठंडा होने पर भी शरीर की गर्मी बढ़ाते हैं।

4 हल्के-फुल्के कपड़े - गर्मी में कूल रहने के लिए आप हल्के रंग के कपड़ों का उपयोग करें, हल्के रंग आंखों को ठंडक पहुंचाते हैं। इस मौसम में कॉटन, शिफॉन, जॉर्जेट, क्रेप जैसे पतले और हलके कपड़े पहनें, जिनमें हवा आसानी से जा सके।

5 ताजा भोजन - हल्का, ताजा और जल्दी पचने वाला भोजन करें। भूख से कम खाएं और पानी ज्यादा पिएं। रसीले फल जैसे - तरबूज, आम, संतरा, अंगूर, तरबूज आदि से पेट भी रहेगा और ये शरीर में पानी की जरूरत की पूर्ति भी करेंगे।

6 पेय पदार्थ ज्यादा लें - गर्मी के मौसम में ठोस आहार की बजाए तरल पेय पदार्थ जैसे ठंडा पानी, नींबू पानी, नींबू शिकंजी, शरबत, कैरी का पना, फलों का रस, छाछ, लस्सी ज्यादा मात्रा में लें, इससे शरीर में गिरावट बनी रहेगी और ऊर्जा का स्तर भी बना रहेगा।

7 नींद पूरी करें - गर्मियों में नींद पर्याप्त मात्रा में और गहरी नहीं होती, इससे थकान बनी रहती है, जो अनावश्यक चिड़चिड़ाहट को जन्म देती है, इसलिए जब भी आराम की जरूरत महसूस हो, सब काम छोड़कर आराम करें।

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की

पौड़ी। उत्तराखंड लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक मंच की ओर से मातृ-पितृ विहीन छात्र छात्राओं को स्व. धरणीधर चंदोला छात्रवृत्ति प्रदान की गई। मंच के संयोजक केशर सिंह असवाल ने बताया कि कोट, पौड़ी और कल्जीखाल ब्लाकों से छात्र-छात्राओं को चयनित कर उन्हें छात्रवृत्ति के रूप में 6 हजार वार्षिक राशि प्रदान की गई। बताया कि छात्रवृत्ति हर साल दी जाती है। इस मौके पर सत्यप्रसाद थपलियाल, पीएल खंतवाल, अजयपाल सिंह आदि शामिल रहे।

क्लीन हिमालयन कैंपेन ने सफाई अभियान चलाया

पौड़ी। रविवार को क्लीन हिमालयन कैंपेन ने रविवार को श्रीनगर रोड पर गडोली के पास सफाई अभियान चलाया। इस दौरान जगह-जगह फैले कूड़े को एकत्र कर नष्ट किया गया। इस मौके पर कैंपेन के संस्थापक हर्षवर्धन चंदोला, सचिव मुकेश सिंह, उपाध्यक्ष रोमा भद्रा चंदोला, आह्वान संस्था की अध्यक्ष प्रियंका थपलियाल, योगेश दनोसी, पायल ठाकुर, सिद्धांत चंदोला, वंशिका दनोसी, विनोद प्रकाश, सुंदर बहुगुणा, विहान दनोसी आदि शामिल रहे।

उप शिक्षाधिकारी पद पर प्राथमिक संवर्ग के शिक्षकों की हो पदोन्नति

विकासनगर। राजकीय शिक्षक संघ के बाद अब प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने भी विरोध के स्वर बुलंद कर दिए है। रविवार को शिक्षकों की ऑनलाइन बैठक में उप शिक्षाधिकारी का प्रभार जूनियर हाईस्कूल के वरिष्ठ प्रधानाध्यापक को दिए जाने की मांग की गई। बैठक में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष अनंत सोलंकी ने कहा कि संयुक्त उत्तर प्रदेश के समय की व्यवस्था के तहत प्रत्येक ब्लॉक में एसडीआई की तैनाती होती थी, जबकि जिले में बीएसए व्यवस्थाओं को देखते थे। कहा कि एसडीआई के पद पदोन्नति से भरे जाने की व्यवस्था थी। वर्तमान में ब्लॉक में उप शिक्षाधिकारी की तैनाती की गई है। लिहाजा जिस ब्लॉक में उप शिक्षाधिकारी का पद रिक्त है, वहां ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल में तैनात वरिष्ठ प्रधानाध्यापक को प्रभार दिया जाना चाहिए। प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण वर्मा, ब्लॉक मंत्री कमल सुयाल ने कहा कि प्राथमिक संवर्ग के शिक्षकों के लिए पदोन्नति के अवसर कम मिलते हैं। कई शिक्षक एक ही पद पर सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हो जाते हैं। ऐसे में उप शिक्षाधिकारी के पद को पदोन्नति का पद बनाकर प्रधानाध्यापक को पदोन्नति का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एलटी में भर्ती शिक्षकों को पदोन्नति के तीन से चार अवसर मिलते हैं। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश नौटियाल ने कहा कि उप शिक्षाधिकारी पद पर तैनात अधिकारियों की भर्ती उप प्रधानाचार्य के पद पर हुई थी, जिसे बाद में नियम विरुद्ध उप शिक्षाधिकारी के पद में तब्दील कर दिया गया।

किन वजहों से होता है अस्थमा, क्या हैं लक्षण और इलाज, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : अस्थमा एक ऐसी मेडिकल कंडीशन है, जिसमें मरीज की सांस की नली में सूजन आ जाती है और सांस की नली धीरे-धीरे सिकुड़ने लगती है. ऐसे में मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है. बढ़ते प्रदूषण, सिगरेट आदि मादक पदार्थों की लत के कारण अस्थमा के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं. डब्ल्यूएचओ की मानें तो साल 2019 में अस्थमा से करीब 262 मिलियन लोग प्रभावित थे और 455 000 लोगों की इसके कारण मृत्यु हुई. इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 2 मई को विश्व अस्थमा दिवस (World Asthma Day) मनाया जाता है.

अस्थमा की बीमारी की तमाम वजह हो सकती हैं. खास कारण आउटडोर और इनडोर प्रदूषण, पुरानी डस्ट, परफ्यूम, छौंक का धुआं, जानवरों के फर, धूम्रपान, तंबाकू का अधिक सेवन, दिवाली के पटाखों का धुआं, तेज हवा, अचानक मौसम में बदलाव व आनुवंशिकता आदि को माना जाता है.

अस्थमा की बीमारी में सांस नलियां सिकुड़ जाती हैं. ऐसे में व्यक्ति को सांस लेने में समस्या होती है और घुटने की स्थिति पैदा होने लगती है. इन हालातों में सांस फूलना, घरघराहट या सीटी की आवाज आना, सीने में जकड़न महसूस होना, बेचैनी महसूस करना, खांसी, सिर में भारीपन, थकावट महसूस करना आदि लक्षण सामने आते हैं. कई बार परेशानी इतनी बढ़ जाती है कि स्थिति को सामान्य बनाने के लिए मरीज को फौरन इनहेलर का सहारा लेना पड़ता है. यदि समय रहते इनहेलर न मिले तो समस्या गंभीर भी हो सकती है.

किसी भी उम्र में हो सकती है परेशानीडॉ. बताती हैं कि अस्थमा की परेशानी किसी भी उम्र में हो सकती है. इसलिए इस तरह के किसी भी लक्षण के दिखने पर विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए, ताकि बीमारी की समय रहते पहचान की जा सके और सही इलाज किया जा सके. आमतौर पर अस्थमा की पहचान के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, स्किन प्रिक टेस्ट, स्पायरोमेट्री, ब्लड टेस्ट आदि कराए जाते हैं.

इनहेलर है सच्चा दोस्तडॉ. कहना है कि अस्थमा की बीमारी पूरी तरह ठीक नहीं होती, लेकिन यदि सावधानी बरतकर मरीज इसके कारणों से बचाव करे तो काफी फायदा हो सकता है. इलाज के तौर पर इसमें इनहेलर दिया जाता है जिसमें दवाई डालकर मरीज को लेनी होती है. इसलिए इनहेलर को अस्थमा मरीजों को सच्चा दोस्त कहा जाता है. विशेषज्ञ मरीज की स्थिति के हिसाब से उसे इनहेलर का सुझाव देते हैं. कुछ मरीजों को अस्थमा अटैक पड़ने पर ही इनहेलर लेना पड़ता है. वहीं समस्या गंभीर होने पर मेंटेनेंस इनहेलर दिए जाते हैं जिन्हें रोज निश्चित समय पर लेना पड़ता है.

इन बातों का ध्यान रखना जरूरीअस्थमा के मरीजों को परफ्यूम, प्रदूषण, पालतू जानवर, तंबाकू, सिगरेट आदि से परहेज करना चाहिए. छौंक के धुएं आदि से बचने के लिए किचन में एग्जॉस्ट जरूर लगवाएं. एग्जॉस्ट चलाने के बाद काम की शुरुआत करें.घर से बाहर जाते समय इन्हेलर जरूर साथ रखें. सर्दी के मौसम या अचानक मौसम में परिवर्तन होने पर विशेष ख्याल रखें.धुएं से पूरी तरह बचाव करें.

खतरे में है महंगी शादी करने वाले रिश्ते, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : पहले शादियां ज्यादातर घरों या मंदिरों में ही हो जाती थी। सारी व्यवस्था की जिम्मेदारी परिवार और विश्वास के संगे संबंधियों पर होती थी। लोग शादियों में खर्चे के साथ अपने बचत की भी बराबर चिंता करते थे। लेकिन अब ट्रेंड पूरा बदल गया है, अब शादी के लिए आपको बस पैसा खर्च करना है और इस दिन को बिना किसी चिंता के एंजॉय करना है।

इस सुविधा को देकर ही आज वेडिंग कराने वाली कंपनियां अरबों कमा रही है।इसमें कोई दोराय नहीं कि हर कोई एक ग्रैंड शादी करना चाहता है, जिसका उदाहरण देते लोग थके नहीं।

हम सबके आसपास ऐसे कई लोग हैं भी जो अपनी शादी पर आंख बंद करके खर्च करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, यह शादीशुदा जीवन के लिए एक अभिशाप की तरह है। एक स्टडी में इस बात का दावा किया गया है कि महंगी शादियां तुलनात्मक रूप से कम बजट वाली शादियों से कम

चलती है। इस लेख में आप इस स्टडी के बारे में डिटेल में जान सकते हैं।इस स्टडी के परिणामों से यह साफ पता चलता है कि व्यक्ति को अपनी वेडिंग के लिए बहुत ही कम खर्च करना चाहिए। ऐसा न करने वाले कपल आमतौर पर अपने रिश्ते में कम खुश देखे जाते हैं। अध्ययन में यह पाया गया है कि जिस वेडिंग में $1,000 (1,83.011 रुपए) से कम खर्च किया गया उन शादियों के लंबे समय तक चलने की संभावना बहुत अधिक थी। जबकि 20000 डॉलर (16,60,230 रुपए) या इससे अधिक वेडिंग पर खर्च करने वाले कपल्स के बीच तलाक होने की संभावना बहुत अधिक थी। शादी पर भले ही खर्च अच्छा ना हो लेकिन स्टडी में यह सामने आया है कि हनीमून पर जाना तलाक के कम खतरे के साथ महत्वपूर्ण रूप से जुड़ा हुआ है।

परमार्थ निकेतन पहुंचे केरल के राज्यपाल

ऋषिकेश। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान रविवार को परमार्थ निकेतन पहुंचे। वह सोमवार को परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती के 73वें जन्मदिन पर होने वाले कार्यक्रम के लिए यहां पहुंचे हैं। उन्होंने गंगा आरती में भी शिरकत की। परमार्थ आश्रम में पहुंचने पर गुरुकुल के ऋषिकुमारों और आचार्यों ने शंख ध्वनि, पुष्प वर्षा और वेद मंत्रों से राज्यपाल का अभिनन्दन किया। इसके बाद राज्यपाल ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती से भेंट वार्ता की। राज्यपाल ने कहा कि भारत ज्ञान, प्रज्ञा और शान्ति की भूमि है। वास्तव में भारत सदियों से पूरे विश्व को शान्ति का संदेश दे रहा है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि भारत का चरित्र अद्भुत है, जहां पर कभी भी किसी को भी कोई शिकायत नहीं होती। हमारे शास्त्र भी हमें यही शिक्षा देते हैं कि परिस्थितियों का सामना कैसे करना है, कोई भी स्थिति सदैव एक जैसी नहीं रहती, इसलिये उस से कैसे उबरना है। यही भारत की दृष्टि है। रामायण हमें परिवार, घर और परिवारजनों को किसी भी परिस्थितियों से कैसे बाहर निकाले व सम्भाले इसका संदेश देती है। देश कहीं अटक, भटक और लटक न जाये, इसलिये हमें कथाओं का श्रवण करना चाहिए। इस दौरान सायं काल में केरल के राज्यपाल ने गंगा आरती में शिरकत की।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग के बीच दिसंबर 2026 में होगी रेल सेवा शुरू

ऋषिकेश। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक सोभन चौधरी ने कहा है कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन पर दिसंबर 2026 में रेल सेवा शुरू हो जाएगी। शनिवार को मसूरी स्थित ओकग्रोव स्कूल के स्थापना दिवस समारोह में पहुंचे चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अभी सड़क मार्ग से यह दूरी करीब 180 किमी है और इसे तय करने में चार घंटे लगते हैं, जबकि रेललाइन से 125 किमी की दूरी होगी और इससे सफर में दो घंटे लगेंगे। उन्होंने कहा कि हिमालयी क्षेत्र होने पर काम करना कठिन होता है, यहां गुणवत्ता के साथ तेजी से काम हो रहा है। बाकी प्रोजेक्ट में टीवीएम मशीन से काम किया जाता है, जो अटक जा रही हैं, लेकिन रेलवे नई तकनीक से काम कर रही है, जिससे यह काम सफलतापूर्वक हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत योजना के तहत देहरादून रेलवे स्टेशन पर काम शुरू कर दिया गया है। मसूरी में एजेंसी बंद होने को लेकर उन्होंने कहा कि अब लोग इंटरनेट पर घर बैठे टिकट बुक कर रहे हैं, इसलिए धीरे-धीरे इस तरह के काउंटर बंद किए जा रहे हैं।

चमोली : पर्यटकों के लिए खुली विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी, कीजिए 600 से अधिक फूलों के दीदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 03 मई : नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क और यूनेस्को की विश्व धरोहर 'वैली ऑफ़ फ्लावर्स' देश और दुनियाभर के आगंतुकों के लिए 01 जून से 31 अक्तूबर तक खुल गई है । प्रकृति प्रेमी और घूमने के शौकीन लोगों के लिए यह किसी जन्नत से कम नहीं। यहां आपको कई जगहों पर प्रकृति का अद्भूत नजारा देखने को मिलेगा।उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए खोल दी गई है। पर्यटक जून से लेकर अक्टूबर तक कभी भी आ सकते हैं। लेकिन यदि आप यहाँ घूमने का प्लान कर रहे हैं तो आपको बरसात के बाद का महीना यानी जुलाई-अगस्त बेस्ट होता है क्योंकि इस दौरान यहाँ सबसे ज्यादा फूल देखने को मिलते हैं। यहाँ पर 600 से अधिक फूलों की प्रजाति पाई जाती है। घाटी का निरीक्षण कर लौटी टीम ने बताया कि इस साल घाटी में अच्छी बर्फबारी हुई है जिससे यहां अच्छी फ्लावरिंग होने की उम्मीद है। जुलाई और अगस्त के बीच सबसे अधिक 300 प्रजाति के फूल खिलते हैं।

उस समय काफी संख्या में पर्यटक भी घाटी में पहुंचते हैं।अगर आप फूलों की घाटी जाने का प्लान कर रहे हैं तो सबसे पहले आपको गोविंदघाट (चमोली) आना होगा यहाँ पहुँचने के लिए आप ऋषिकेश, हरिद्वार या देहरादून से बस ले सकते हो। फिर गोविंदघाट से 13 किमी. ऊपर घांघरिया फूलों की घाटी का बेस कैंप है आपको अगले दिन यहाँ के लिए निकलना

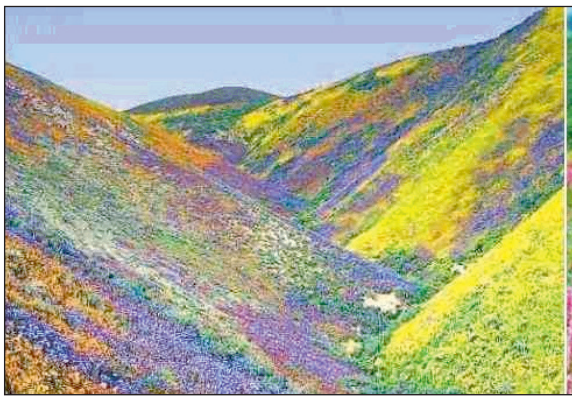

होगा। आप घांघरिया तक पहुँचने के लिए गाड़ी से पुलना गांव तक 4 किमी का सफर तय कर सकते हो उसके बाद 9 किमी का ट्रैक है घांघरिया तक है। अब आपको अगले दिन घांघरिया से सुबह जल्दी फूलों की घाटी का ट्रैक करना है जो कि 4 किमी का है और यह सुबह 7 बजे से दिन के 12 तक तक एंट्री लेने का समय है। इस तरह आप 4 से 5 दिनों में यह ट्रैक कम्प्लीट कर सकते हो। भारतीय पर्यटकों के लिए यहाँ पर एंट्री फीस 200 रुपए है और विदेशी सैलानियों के लिए 800 रुपए।

यहां बीवी के लिए खाते हैं मार, डंडों से पीटे जाते हैं मर्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां आज भी जनजातियां रह रही हैं जो अपनी अजीबोगरीब परंपरा की वजह से चर्चा में रहती हैं. ये परंपराएं भले ही दुनिया को अजीब लगें, पर उस जनजाति के लोग उन्हें आज तक मानते आ रहे हैं और उसी के अनुसार आचरण करते हैं. अफ्रीका में भी ऐसी कई जनजातियां आज भी रहती हैं जिनकी मान्यताएं हैरान करने वाली हैं. ऐसी ही ट्राइब है फुलानी जिसमें पत्नी हासिल करने के लिए मर्दों को दर्द झेलना पड़ता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार नाइजीरिया में फुलानी नाम की एक जनजाति है जो पश्चिमी अफ्रीका के कई देशों में पाई जाती है. इस जनजाति में शारो नाम का एक उत्सव होता है जिसमें पुरुषों को मारा जाता है. वो भी सबके सामने. इस उत्सव में तय होता कि कौन से पुरुष को अपने मन मुताबिक पत्नी मिलेगी. यहां पुरुषों का मार खाना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात समझी जाती है।

इस उत्सव में अविवाहित पुरुष जमा होते हैं और फिर बड़े बुजुर्ग लकड़ी के डंडे से उनकी पिटाई करते हैं. इस बीच अन्य लोग और लड़कों के परिवार वाले उन्हें दर्शकों की तरह देखते हैं. परिवार वाले ये मनाते हैं कि लड़का मार खाने में असमर्थ ना रह जाए नहीं तो उसकी वजह से परिवार की नाक कट जाएगी. अगर लड़का दर्द के कारण मार नहीं झेल पाता तो उसे कमजोर माना जाता है और फिर लड़की के साथ-साथ उसके परिवार वाले उसे उपयुक्त वर नहीं मानते हैं।

मार खाने के पीछे कारण ये है कि वो जितना दर्द सहेंगे, उतना ही होने वाली पत्नी के लिए प्यार बढ़ेगा. माना जाता है कि दर्द झेलकर मर्द दिखाते हैं कि वो उस लड़की से बेहद प्यार करते हैं उसके लिए किसी भी हद तक का दर्द झेल सकते हैं. ऐसा सिर्फ एक लड़के के साथ नहीं, एक साथ कई लड़कों के साथ होता है. कई बार ये कंपटीशन किसी एक लड़की के लिए होता है. एक लड़की को पाने के लिए कई प्रतियोगी जुटते हैं और जो जीतता है, वो लड़की का दूल्हा बनता है, या फिर जीतने वाला लड़का अपने मन मुताबिक लड़की चुन सकता है. उनके शरीर पर जो घाव रह जाता है, उसे उनकी बहादुरी का प्रतीक माना जाता है. अब धीरे-धीरे ये मान्यता खत्म होती जा रही है. ये एक मुस्लिम जनजाति है और इनका मानना है कि इस्लाम में ऐसा करना हराम है।

क्या आप जानते है हफ्ते में सात दिन ही क्यों होते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : हफ्ते में 7 दिन और महीने में 4 हफ्ते होते हैं. हिंदी कैलेंडर हो, या अंग्रेजी कैलेंडर, या फिर इस्लामिक कैलेंडर, सबमें यह एक चीज कॉमन है. लेकिन कभी सोचा कि हफ्ते में सात दिन ही क्यों होते हैं? आठ, दस, या पांच-चार दिन क्यों नहीं? क्या इनका नवग्रहों से कोई रिश्ता है? अगर है तो सारे कैलेंडर उसे ही क्यों फॉलो करते हैं? आखिर ये कॉन्सेप्ट आया कहां से? जवाब बेहद चौंकाने वाला है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 7 अंक सिर्फ हिन्दू नहीं तमाम संस्कृतियों के लिए महत्वपूर्ण रहा है. सबसे पहले जो साक्ष्य मिलते हैं, उनके मुताबिक, लगभग 2300 ईसा पूर्व में अक्काद के शासक सर्गोन प्रथम के समय 7 दिनों का सप्ताह बनाया गया. सर्गोन खगोलीय रूप से प्रतिभाशाली बेबीलोनिया (आज का इराक) के राजा राजा थे. वे 7 नंबर की पूजा किया करते थे. यहां के लोग तब दूरबीन के जरिए जनि 7 ग्रहों को देख सकते थे, उन्हीं के नाम पर इन सातों दिनों का नाम रखा गया. जैसे सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, तथा शनि. इनमें से 5 ग्रह को नग्न आंखों से देखे

जा सकते थे।

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इस ग्रहों को ही क्यों आधार बनाया गया? रिपोर्ट के मुताबिक, महीनों, वर्षों और दिनों का सीधा संबंध खगोलीय घटनाओं से है. जैसे पृथ्वी का अपनी धुरी पर घूमना या सूर्य की परिक्रमा पूरी करना. चंद्रमा लगभग 27.3 दिन में पृथ्वी की परिक्रमा पूरी करता है. अमावस्या से पूर्णिमा अथवा पूर्णिमा से अमावस्या के बीच का काल लगभग 14.5 दिन का है. इसका आधा हुआ 7.25. यानी लगभग सात दिन. इसी तरह एक महीने को 2 पक्षों, प्रत्येक पक्ष को दो हफ्तों में बांटा गया. फिर 52 हफ्तों को मिलाकर एक वर्ष बनाया गया. यहूदी धर्म में मान्यता है कि इन 7 दिनों में ही विश्व की रचना हुई थी. रोमन साम्राज्य में इन सात 'ग्रहों' को क्रमबद्ध रूप से रखकर मानक तय किए गए. लगभग सभी संस्कृतियों में सप्ताह के दिनों को नाम इन दो विधियों से ही दिए गए हैं।

दुकानदार ने सात साल की बच्ची को पीटा

रुड़की। परचून दुकानदार ने सात साल की मासूम बच्ची को पीट दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है। रुड़की कोतवाली को बेलड़ी साल्हापुर निवासी शिवकुमार ने बताया कि उनकी सात वर्षीय पुत्री दुकान पर परचून का सामान लेने गई थी। इस बीच पर दुकानदार ने पुत्री को मारपीट कर घायल कर दिया। दुकानदार का कहना है की बच्ची कुछ सामान बिना पूछे उठा रही थी। पुलिस ने तहरीर पर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बीटी गंज आर्य समाज के प्रधान बने उदयवीर

रुड़की। सुभाषगंज स्थित आर्य समाज बीटी गंज का वार्षिक चुनाव रविवार को संपन्न हुआ। इस दौरान पर्यवेक्षक की भूमिका प्रांतीय मंत्री चंद्र प्रकाश आर्य और जिला मंत्री श्याम सिंह ने निभाई। चुनाव में उदयवीर सिंह को प्रधान पद पर चुना गया। उप प्रधान पद पर विजय सिंह वर्मा, मंत्री पद पर सत्यपाल सिंह, उप मंत्री पद पर राजकुमार अनेजा, कोषाध्यक्ष पद पर डॉ. अरुण कुमार त्यागी, पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर सतीश कुमार आर्य, उप पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर मनोज कुमार शर्मा और लेखा निरीक्षक पद पर सतीश कुमार को चुना गया।

ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर में एक घायल

रुड़की। कांवड़ पटरी पर रुड़की-मेहवड़ के बीच ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर हो गई। रविवार को सोनू अपने साथी दिलशाद निवासी ज्वालापुर के साथ रुड़की से अपने घर वापस जा रहा था। वह कांवड़ पटरी पर रुड़की-मेहवड़ के बीच पहुंचे तो सामने से आ रहे ई-रिक्शा ने बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में दिलशाद घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने पर पति गिरफ्तार

रुड़की। पत्नी के आत्महत्या करने पर पुलिस ने पति को 18 दिन बाद शनिवार रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस गिरफ्तारी के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। उप निरीक्षक सूरत शर्मा को मामले की जांच सौंपी गई थी। रुड़की कोतवाली को छिपराना खुर्द ऊर्फ टिगरी बिसरख गौतमबुद्ध नगर यूपी निवासी सकटू सिंह ने तहरीर देकर बताया कि पुत्री प्राची का विवाह 19 फरवरी 2017 को राहुल निवासी न्यू आदर्श नगर के साथ गांव करहेड़ा थाना भोपाल जिला मुजफ्फरनगर में कराया था। पुत्री के विवाह में करीब 15 लाख रुपये खर्च किए गए थे। आरोप था कि ससुराल में पुत्री से पांच लाख रुपये नगद और कार की डिमांड की जाने लगी थी। बढ़ते मनमुटाव के बाद पुत्री को करीब पांच महीने के लिए मायके में ही रख लिया था।

यहां पर मर्दों को करनी होती है दो शादी, मना करने पर जाना पड़ता है जेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : दुनिया के हर देश में शादी के लिए अलग-अलग कानून हैं। लेकिन दुनिया में एक ऐसा देश है जहां पर हर मर्द को दो शादी करना अनिवार्य है। अगर किसी पुरुष ने दो शादी करने से इंकार कर दिया, तो उसे अपना जीवन सलाखों के पीछे बिताना पड़ेगा। अफ्रीका महाद्वीप के देशों में शादी को लेकर अलग-अलग कानून हैं। लेकिन ऐसे कानून दुनिया के किसी और देश में नहीं हैं। अफ्रीका महाद्वीप के एक देश में अजीबो-गरीब कानून है। यहां पर मर्दों को दो शादी करनी अनिवार्य है। अगर किसी शख्स ने शादी करने से मना कर दिया, तो कड़ी से कड़ी सजा दी जाती है। आपको इस अनोखे देश के कानून के बारे में जानकर हैरानी हो रही होगी। आप सोच रहे होंगे कि क्या किसी देश में ऐसा भी कानून हो सकता? आईए जानते हैं अफ्रीका महाद्वीप के इस देश के बारे में।

अफ्रीका महाद्वीप के इस देश में दो शादी करने के लिए अनोखा कानून बनाया गया है। इस अफ्रीकी देश का नाम इरीट्रिया है। यहां पर पुरुषों को दो शादी करना अनिवार्य है। अब पुरुष खुशी मन से शादी करे, या दुखी मन से। इरिट्रिया में दो शादी करना अनिवार्य है। अगर कोई पुरुष शादी करने या दो बीवियो को रखने से इंकार कर देता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होती है। अगर कोई दो शादी करने से इंकार करता है, तो उसे आजीवन जेल की सजा मिलती है। इस देश में महिलाओं की वजह से यह अनोखा कानून बनाया गया है। इरीट्रिया में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं की संख्या है। इरीट्रिया का इथियोपिया से गृहयुद्ध चल रहा है जिसकी वजह से महिलाओं की संख्या यहां पर ज्यादा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस देश में महिलाओं के लिए भी कड़ा कानून है। यहां की महिलाएं पुरुषों को दो शादी करने से नहीं रोक सकती हैं। अगर उन्होंने शादी में कोई बाधा उत्पन्न की तो, उनको भी जेल में डाल दिया जाता है।

गर्मियों में करने जा रहे हैं ट्रेन का सफर, तो ऐसे रखे अपना ख्याल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जून : अगर आप भी ऐसी भीषण गर्मी में ट्रेन से लंबा सफर करने जा रहे हैं फिर चाहे वो वेकेशन हो या फिर कोई बिजनेस ट्रिप, तो कुछ बातों का खास ध्यान रखने की जरूरत है क्योंकि गर्मी में ट्रेनों में मेडिकल हेल्प की डिमांड कई गुना बढ़ गई है। ज्यादातर पैसेंजर्स को उल्टी, दस्त व पेट दर्द की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बहुत ज्यादा गर्मी की वजह से शरीर में मौजूद पानी का एक बड़ा हिस्सा पसीने के रूप में बाहर निकल जाता है। इससे उसके तापमान को नियंत्रित करने वाला थर्मोस्टेट सिस्टम सही ढंग से काम नहीं कर पाता इसलिए लोगों को तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ, उल्टी, नॉजिया, लूज मोशन, सिरदर्द, बार-बार प्यास लगना और कमजोरी जैसे लक्षण नजर आते हैं, जिसे हीट स्ट्रोक या लू लगना भी कहा जाता है। ऐसे में कई बार लोगों का ब्लड प्रेशर लो हो जाता है इससे उन्हें ब्रेन या हार्ट स्ट्रोक भी हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

- दूषित पानी व कटे फल पेट में इंफेक्शन फैलाते हैं, तो इन्हें खाने से बचें - पैसेंजर्स को वेंडर से पानी की बोतल लेने के बजाय स्टेशन पर स्टॉल से पानी की सील बंद बोतल लेना चाहिए - शरीर में पानी की कमी न होने दें। इसके लिए पानी के अलावा दूध, छाछ या लस्सी पीते रहें। ताजे फलों का जूस भी पिया जा सकता है - गर्म हवाओं से खुद को बचाएं। इसके लिए मुंह पर कपड़ा बांध सकते हैं - समोसा, बर्गर या अन्य दूसरे जंक फूड्स का कम से कम सेवन करें।

सफर से पहले कर लें ये तैयारी

- कम दूरी के सफर में पानी घर से लेकर चलें। - बाहर की चीजें न खानी पड़े इसके लिए घर में बने खाने-पीने की वस्तुओं को लेकर चलें - इलेक्ट्रॉल या ओआरएस के पैकेट। जरूर साथ रख लें - उल्टी व लूज मोशन की दवा साथ रख सकते हैं - सफर के दौरान आरामदायक व ढीले कपड़े पहनें - एक लीटर पानी में ओआरएस मिलाकर एक घंटे में खत्म कर दें।

संपादकीय

वनस्पतियों और जीवों की निर्दयतापूर्वक हत्या

हर वर्ष गर्मियों में, हमने जंगल की आग से वनस्पतियों और जीवों की निर्दयतापूर्वक हत्या देखी, लेकिन सरकार, वन विभाग से अब तक कोई निवारक उपाय सामने नहीं आया, यहां तक कि तथाकथित सामाजिक संगठन, न्यायपालिका भी वन्यजीव, वनस्पतियों और जीवों की इस खुली हत्या की ओर और तथाकथित नागरिक समाज में से कोई भी इस हत्या के लिए चिंतित नहीं है। यूएनडीपी एसडीजी-2030 सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशालाओं के किसी भी योद्धा ने जो स्थायी जीवन उपाय पर लंबे समय तक व्याख्यान देते हैं, उन्होंने कभी भी ग्रीष्म मौसम में इस जंगल की आग पर चिंता नहीं दिखाई। इसलिए समग्रता में किसे दोषी ठहराया जाए, हम समाज के रूप में पूरी तरह से विफल रहे हैं। हर गर्मियों में, पृथ्वी आग में सांस लेती है। जंगल, जो कभी हरे-भरे थे, आग की लपटों में घिर जाते हैं, वन्यजीव नष्ट हो जाते हैं, निवास स्थान जमीन पर धराशायी हो जाते हैं और फिर भी, वार्षिक विनाश के बावजूद, निवारक उपाय मायावी रहते हैं। यह आवर्ती तबाही न केवल शासन और सामाजिक प्रणालियों की विफलता को उजागर करती है, बल्कि एक स्थायी भविष्य के पोषण में प्राचीन ज्ञान के महत्व पर भी प्रकाश डालती है। साल दर साल, तमाशा गंभीर भविष्यवाणी के साथ सामने आता है। दुनिया भर के जंगल नरक बन जाते हैं। अपने रास्ते में सब कुछ खा जाते हैं। वन अधिकारियों के अनुसारए 99 फीसदी जंगल की आग मानव निर्मित होती है। चाहे लापरवाही से चिंगारी हो, जानबूझकर आगजनी की गई हो या पुरानी कृषि पद्धतियों से हुई हो, परिणाम गंभीर हैं। घरों, फसलों और कीमती पारिस्थितिकी तंत्रों को आग निगल डालती है। जंगल की आग के जले हुए अवशेषों से जहरीली गैसें और घने धुएं हवा को चोक कर देते हैं, जिससे मनुष्यों और वन्यजीवों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। भूस्खलन और मिट्टी का कटाव पर्यावरणीय क्षरण को बढ़ाता है। पारिस्थितिकी तंत्र का नाजुक संतुलन बाधित होता है, जिससे अपूरणीय क्षति होती है। जंगल की आग से हुई तबाही के बढ़ते सबूतों के बावजूद, निवारक उपाय अपर्याप्त हैं। प्रतिपूरक वनीकरण के प्रयास, जिन्हें एक समाधान के रूप में बताया जाता है, अक्सर व्यर्थ व्यय और वृक्षारोपण की कम उत्तरजीविता दर में समाप्त होते हैं। बुलंद लक्ष्यों और जमीनी वास्तविकताओं के बीच का अलगाव समस्या के मूल कारणों को संबोधित करने में एक प्रणालीगत विफलता को उजागर करता है। हिमाचल प्रदेश में इस साल 1 अप्रैल 2024 से 1 जून 2024 तक जंगल में आग लगने की 1259 घटनाएं दर्ज की गईं। 12122 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र प्रभावित हुआ, जिसमें हजारों हेक्टेयर नए वृक्षारोपण शामिल थे। सामाजिक कार्यकर्ता सुबोध शर्मा का कहना है कि शुष्क मौसम और मानवीय लापरवाही या जानबूझकर जंगल में विनाश आग लगने का कारण हो सकता है। राज्य वन विभाग ने राज्य में चीड़ के लंबे पत्ते वाले पेड़ों वाले 26 वन प्रभागों को जंगल की आग के प्रति अत्यधिक संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

डीएम सोनिका ने लिया महाराणा प्रताप स्पार्टस कालेज रायपुर का स्थलीय निरीक्षण कर मतगणना तैयारियों का जायजा

देहरादून। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिका ने महाराणा प्रताप स्पार्टस कालेज रायपुर का स्थलीय निरीक्षण कर मतगणना तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतगणना की समुचित व्यवस्थाए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सम्पादित की जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि मतगणना स्थल पर मूलभूत सुविधा पेयजल, विद्युत की निर्बाद व्यवस्था के साथ ही शौचालय, साफ-सफाई आदि समुचित व्यवस्थाएं सुगम बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस दौरान सम्पूर्ण परिसर का निरीक्षण करते हुए मगणना तैयारियों की व्यवस्था देखी। इस दौरान जिलाधिकारी ने मीडिया सेन्टर का निरीक्षण करते हुए नोडल मीडिया/सहायक निदेशक सूचना को मीडिया सेन्टर में व्यवस्थाएं बनाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर नगर मजिस्टेट प्रत्युष सिंह, अधि0अभि0 लोनिवि जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, अधि0अभि0 विद्युत गौरव सकलानी, अधि0अभि लोनिवि कपिल कुमार, सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसजीआरआर विश्वविद्यालय में 100 होनहार सम्मानित

देहरादून। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय (एसजीआरआरयू) में रविवार को टॉपर्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस दौरान 12वीं परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 100 से अधिक होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन के चेयरमेन श्रीमहंत देवेंद्र दास महाराज ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। एसजीआरआरयू पटेलनगर कैंपस के एसबीएएस प्रेक्षगृह में संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा डा. एएस उनियाल, सीनियर टीम लीड नोवाटिस फार्मास्युटिकल रोहित अग्रवाल, एसजीआरआर विश्वविद्यालय के समन्वयक डा. आरपी सिंह, मिशन के अधिकृत हस्ताक्षरी प्रबंधक विजय नौटियाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में एसजीआरआर एजुकेशन मिशन के स्कूलों की विभिन्न शाखाओं, केंद्रीय विद्यालय और अन्य स्कूलों से टॉपर अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। कॉन्क्लेव में छात्र-छात्राओं ने सम्मान के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन का आभार जताया। छात्रा अंशिका कंडारी ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान से छात्रों का हौसला कई गुना बढ़ जाता है।

संक्षिप्त खबरें

रजवाहे में गोवंश के अवशेष मिलने पर हंगामा

हरिद्वार। राष्ट्रीय इंटर कॉलेज रोहालकी के पास बह रहे राजवाहे में गोवंश का सिर और खाल मिली। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। इधर, बजरंग दल कार्यकर्ता भी एकत्र होकर मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने खाल और सिर को रजवाहे से बाहर निकाला। बहादराबाद से पशु चिकित्सक को बुलाया गया, जिसके बाद गोवंश अवशेष का सैंपल लेने के बाद उसे दफना दिया गया। विहिप के जिला मंत्री भूपेंद्र सैनी ने आरोप लगाया कि पूर्व में एक बाग में गोकशी की गई थी।

चोरी की योजना बनाते तीन धरे

हरिद्वार। कोतवाली प्रभारी रमेश सिंह तनवार ने बताया कि शनिवार रात पुलिस टीम ने सेक्टर-दो बैरियर के पास तीन लोगों को नगर निगम के खोखों के पास पकड़ा। उनके कब्जे से चोरी की वारदात में इस्तेमाल होने वाला सामान मिला। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम उत्सव तोमर निवासी शाहपुर बडौली थाना बडौत जिला बागपत, उज्जवल धनकड निवासी फैजपुर निनाना थाना बागपत और कुलदीप निवासी शाहपुर बडौली थाना-बडौत जिला बागपत यूपी बताया।

भावधस ने एकजुटता पर दिया जोर

हरिद्वार। बैठक में पहुंचे प्रांतीय कन्वीनर रविंद्र बब्बर ने कहा कि संगठन प्रदेश स्तर पर वाल्मीकि समाज को मुख्य धारा में शामिल कराने का प्रयास कर रहा है। समाज कि बिखरी हुई शक्ति को एकत्रित करके समाज से नशाखोरी, अनपढ़ता को जड़ से उखाड़ा जा सकता है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य वीर अमर बेनीवाल ने कहा कि अब समय आ गया है कि वाल्मीकि समाज की खोई हुई शक्ति को इकट्ठा करना है। बैठक की अध्यक्षता हंसराज कटारिया और संचालन संदीप चनालिया ने किया। बैठक के बाद आकाश चंचल को जिला सहसंयोजक, लखन सिंह वाल्मीकि को जिला प्रचार सचिव, ललित कुमार को नगर अध्यक्ष हरिद्वार, रणधीर को नगर अध्यक्ष शिवालिक नगर, मुकेश चंचल को नगर प्रभारी हरिद्वार बनाया गया।

पथरी में तलवार से युवक की हत्या, फरार

हरिद्वार। पुलिस के मुताबिक रात गांव शाहपुर स्थित एक धार्मिक स्थल पर एक दिवसीय मेले का आयोजन किया गया था। जिसमें 21 वर्षीय सरबजीत उर्फ गोलू पुत्र धर्म सिंह उर्फ बूंद निवासी शाहपुर और 22 वर्षीय रविंद्र उर्फ अमन पुत्र अर्जुन निवासी नसीरपुर खुर्द उर्फ चांचक की किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि सरबजीत ने रविन्द्र पर तलवार से हमला कर दिया और रविंद्र की गर्दन पर तलवार लग गई। इससे युवक जमीन पर गिर गया। यह देख मेले में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रविंद्र को जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल, एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह, सीओ लक्सर निहारिका सेमवाल ने अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

बारिश आरंभ होते ही अपने अपने पूर्वजों के नाम एक पौधा अवश्य लगाएं: रघुवंशी

हरिद्वार। रविवार को शहीद जगदीश वत्स पार्क ज्वालापुर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत भूषण विद्यालंकार ने ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के बाद पूर्वजों का स्मरण करते हुए शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। स्वतंत्रता सेनानी स्मारक बहादराबाद में अशोक कुमार चौहान और स्वतंत्रता सेनानी स्तंभ पुलिस कोतवाली हरिद्वार के सामने मुरली मनोहर के नेतृत्व में राजन कौशिक तथा मुकेश त्यागी ने श्रद्धांजलि अर्पित कर सामूहिक राष्ट्रगान किया।कार्यक्रमों में शामिल स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों को संदेश देते हुए संगठन के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि हमारे संगठनों को ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम भी अपने हाथ में लेना चाहिए, जिसमें राष्ट्र हित भी जुड़ा हुआ हो। सभी स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों से अपील है कि बारिश आरंभ होते ही अपने अपने पूर्वजों के नाम एक पौधा अवश्य लगाएं

एक वृक्ष अनुदान अभियान से हरिद्वार को बनाएं ग्रीन सिटी

हरिद्वार। रविवार को महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि हरिद्वार को ग्रीन सिटी बनाने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। जिसमें हर घर तक इस अभियान को ले जाना उनका प्रयास रहेगा। सेठी ने बताया कि इस अभियान को हर व्यक्ति एक वृक्ष अनुदान कार्यक्रम बना हर व्यक्ति से एक पेड़ लगाने की वो अपील करेंगे। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए सभी को पौधे लगाने होंगे। जिससे प्रकृति को बचाया जा सके।

साढ़े चार घंटे में बंद हुआ ऑफलाइन पंजीकरण, संख्या बढ़ाने की मांग

हरिद्वार। रविवार को ऋषिकुल मैदान में अव्यवस्थाओं का बोलबाला रहा। मैदान में चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण करने पहुंचे हजारों श्रद्धालु तपती धूप में लाइन में खड़े होकर घंटों अपना पंजीकरण होने की प्रतीक्षा करते नजर आए। तपती धूप से बचाने के लिए मैदान में श्रद्धालुओं के लिए कोई व्यवस्था नजर नहीं है। सुबह छह बजे से श्रद्धालु पंजीकरण कराने के लिए लाइन में लग गए। सात बजे श्रद्धालुओं को पंजीकरण शुरू हुआ। करीब साढ़े ग्यारह बजे 1500 पंजीकरण पूरे होने के बाद काउंटर को बंद कर दिया गया।

छापेमारी में सैकड़ों नकली घड़ियां बरामद

हरिद्वार। शनिवार शाम को दिल्ली के सेक्टर 19 द्वारका से एक घड़ी कंपनी के कर्मचारी गौरव तिवारी पुत्र श्याम नारायण तिवारी ने शहर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी कि कंपनी की नकली घड़ियां बेची जा रही है। कंपनी कर्मचारी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए शहर कोतवाली पुलिस ने अपर रोड पर मानसरोवर कॉम्पलेक्स मोती बाजार में महावीर वॉच सेंटर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान एक ब्रांड की 400 और दूसरे की 120 नकली घड़ी बरामद हुई। दुकानदार अमन जैन निवासी न्यू विष्णु गार्डन कनखल पुलिस को कोई जवाब नहीं दे पाया। स्थानीय पुलिस ने बरामद की गई घड़ियों को जब्त कर लिया। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा के मुताबिक कंपनी कर्मचारी की शिकायत पर दुकानदार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बाशिक महासू महाराज के कैमाड़ा पहुंचने पर जखोली मेला हुआ शुरू

विकासनगर। बाशिक महासू महाराज के रविवार को कैमाड़ा जंगल पहुंचने के साथ ही दो दिवसीय जखोली मेले की शुरुआत हो गई। देवता के पहुंचते ही सैकड़ों लोग देव दर्शन को कैमाड़ा में डटे रहे। लोगों ने ढोल-दमौ की थाप पर हारुल नृत्य कर बाशिक महासू महाराज की आराधना की। देर शाम तक लोक गीतों के साथ परंपरागत तांदी-नृत्य की धूम रही। लोगों ने देवता के दर्शन कर परिवार की खुशहाली की मनौती मांगी।

जखोली मेले के लिए रविवार सुबह बस्तील गांव से गाजे-बाजे के साथ चली देव पालकी दोपहर बाद कैमाड़ा जंगल पहुंची। यहां जखोली मेला मनाने आए विभिन्न गांवों के सैकड़ों लोगों ने बाशिक महासू के जयकारे लगाए। देव पालकी के आगमन से परंपरागत जखोली मेले की शुरुआत हो गई। जखोली मेले के पहले दिन देव दर्शन को बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने बाशिक महासू के दर्शन कर मन्नत मांगी।

इस दौरान कई लोगों ने देवता से मांगी गई मन्नत पूरी होने पर अपने बच्चों के बाल भी कटवाए। जश्न मनाने के लिए बावर, शिलगांव, देवघार, फनार, बंगाण समेत आसपास के क्षेत्र के लोग गाजे-बाजे के साथ मेला स्थल पहुंचे। परंपरागत पहनावे में पहुंची महिलाओं ने देव पालकी के कैमाड़ा पहुंचने पर ढोल-दमौ की थाप पर हारुल और लोक गीतों के साथ तांदी-नृत्य की प्रस्तुति से बाशिक महासू की आराधना की। देर शाम तक नाच-गाने का दौर चला। कई नौकरी पेशा और अन्य लोग अपने छोटे बच्चों और परिवार के साथ देव दर्शन के लिए कैमाड़ा जंगल पहुंचे। शनिवार को हुई बारिश से लोगों को गर्मी से कुछ हद तक राहत मिली। इस दौरान बजीर शाठीबिल दीवान सिंह राणा, पुजारी अभिदत्त, जयपाल सिंह पंवार, आदित्य पंवार, बलवीर सिंह पंवार, विक्रम सिंह पंवार, रिंकू, विरेंद्र सिंह, किशन सिंह राणा, हरपाल राणा, रमेश डोभाल, कृपाराम, अनूप राणा, धीरज सिंह आदि मौजूद रहे।

वीकेंड पर पर्यटकों से गुलजार रहा चकराता बाजार

विकासनगर। मैदानों में पड़ रही उमस भरी गर्मी से राहत पाने के लिए वीकेंड पर लोगों ने पहाड़ों का रुख किया। इससे चकराता बाजार और क्षेत्र के पर्यटन स्थल सैलानियों से गुलजार नजर आए। कारोबार में तेजी से पर्यटन कारोबारी भी उत्साहित हैं। स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद पर्यटकों की आमद में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। वैसे तो पूरा सप्ताह पर्यटकों का आवागमन बना रहता है, लेकिन वीकेंड पर इनकी तादाद काफी ज्यादा बढ़ जाती है। शनिवार सुबह से ही बड़ी संख्या में पर्यटक चकराता में नजर आने लगे थे। शाम होते-होते छावनी बाजार समेत आसपास स्थित अधिकांश होटल रिजॉर्ट और होम स्टे पर्यटकों से पैक हो गए थे। बड़ी संख्या में पर्यटकों के चकराता आने से व्यवसायियों के चेहरों पर भी रौनक नजर आई। पर्यटकों के आने से होटल, रेस्टोरेंट के कारोबार में तो फायदा हुआ ही साथ ही टैक्सी चलाने व ट्रेकिंग गाइड का काम कर रहे युवाओं को भी रोजगार मिल रहा है। यहां पहुंचे पर्यटकों ने चकराता के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होम स्टे में लोकल व्यंजन ओलुवे, असके, पिनुवे, मंडवे की रोटी, कंडाली की सब्जी, सत्तू, खेंडाड़ी, लाल भात आदि का लुत्फ उठाया। साथ ही बाजारों में लोकल बुरांस स्क्वेश, भट्ट की दाल, राजमा, अखरोट, आदि की खरीदारी भी की। कई पर्यटक हाथ से बने गर्म कपड़े भी खरीदते नजर आए। रविवार सुबह से ही पर्यटकों ने मोयला टॉप, टाइगर फाल, कोटी कनासर, लोखंडी, देवबन आदि का रुख कर यहां के सुंदर नजारों का दीदार किया। चकराता स्थित प्राचीन चिंताहरण महादेव मंदिर में भी पर्यटकों ने दर्शन किये। कुछ पर्यटक इंद्रोली गांव में काली माता के दर्शन करने भी पहुंचे।

त्यूणी तहसील के गांवों में 27 घंटे गुल रही बिजली

विकासनगर। तहसील क्षेत्र में शनिवार शाम को आंधी से बिजली की आपूर्ति ठप हो गई। रविवार सुबह से ही यूपीसीएल कर्मी लाइन को ठीक करने में लगे रहे, लेकिन देर शाम तक आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई। उधर, विकासनगर में दोपहर एक बजे से ढाई बजे तक बिजली की आपूर्ति ठप रही। शनिवार शाम को अचानक आंधी से अणू के पास बिजली की लाइन पर पेड़ गिर गया। इससे अटाल, सैंज, तराणू, हाली, भाटगढ़ी में शाम चार बजे से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। रविवार को पूरे दिन भी आपूर्ति बहाल नहीं सकी। इसके चलते गर्मी ने लोगों को परेशान किए रखा। घरों में लगे इनवर्टर भी जवाब दे गए। भाटगढ़ी की प्रधान सुभद्रा शर्मा ने बताया कि जिन घरों में इनवर्टर लगे हुए थे, उनमें भी दोपहर से पंखे चलने बंद हो गए। ग्रामीणों के बिजली से चलने वाले उपकरण भी ठप पड़े रहे। अणू के प्रधान राजाराम शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह से शाम तक पानी की आपूर्ति भी ठप रही। लोगों को पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए करीब चार किमी दूर प्राकृतिक स्रोत पर जाना पड़ा। उधर, यूपीसीएल के उप खंड अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि सभी कर्मचारी सुबह से लाइन ठीक करने में लगे हुए हैं। शाम सात बजे तक आपूर्ति बहाल हो जाएगी।

विकासनगर में डेढ़ घंटे ठप रही आपूर्ति : पछुवादून में बिजली की अघोषित कटौती का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को भी पीक ऑवर में डेढ़ घंटे की कटौती की गई। विकासनगर मुख्य बाजार समेत सभी आवासीय कॉलोनियों में दोपहर एक बजे बिजली गुल हो गई, जो ढाई बजे बहाल हुई। इस बीच 42 डिग्री तापमान में लोग घरों के अंदर भी परेशान रहे। वहीं, दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में तीन से चार घंटे की कटौती की जा रही है। रविवार को डूंगाखेत, मल्लावाला, पष्टा, मटोगी, हथियारी समेत डूंगा, कोटी, ढ़लानी, द्वारथा में सुबह 11 बजे गुल हुई बिजली दोपहर बाद तीन बजे बहाल हुई।

काली माता के दर्शनों को उमड़े श्रद्धालु

विकासनगर। जेठ माह के तीसरे रविवार को इंद्रोली और जाड़ी स्थित जौनसार बावर की इष्ट देवी मां काली के मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। चकराता क्षेत्र के इंद्रोली और जाड़ी गांव में मां काली के पौराणिक मंदिर हैं। जेठ माह में आने वाले हर रविवार को मंदिर में मां काली की पूजा करना अत्यंत शुभ माना गया है। इन मंदिरों के प्रति लोगों की आपार आस्था जुड़ी हुई है। मंदिर में दर्शन करने के लिए शनिवार रात से ही भक्तों ने इंद्रोली गांव में आना शुरू कर दिया था। सुबह तक हजारों की संख्या में लोग मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। माता के भक्तों ने कतारों में लग कर मत्था टेक सुख समृद्धि की मन्नते मांगी। इस मौके पर इंद्रोली गांव की बेटियों (ध्यांटुडियां) और बहुओं ने मंदिर में भंडारा आयोजित किया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। बालिकाओं ने मंदिर परिसर में हारुल नृत्य भी किया। दूसरी ओर जाड़ी स्थित मंदिर में भी भक्तों की भीड़ लगी रही।

केदारनाथ में एसयूवी 'थार' के पहुंचते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने निकाली भड़ास

देहरादून। चिनूक हेलीकॉप्टर की मदद से शनिवार को दूसरी एसयूवी कार को केदारनाथ पहुंचाया गया। केदारनाथ धाम में एसअूवी के पहुंचते ही लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। इस मुद्दे पर लोग सोशल मीडिया पर तीखी टिप्पणी भी कर रहे हैं। तो दूसरी ओर, लोग सरकार पर तंज करने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं। हालांकि, आपको बता दें कि दोनों एसयूवी मेडिकल इमरजेंसी और वीवीआईपी निरीक्षण के लिए मौजूद रहेंगी। बता दें कि इससे पहले केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण में जुटे नेहरू पर्वातारोहण संस्थान ने ऑल टेरेन वाहन को पहुंचाया था। कई वीवीआईपी ने इसी वाहन से केदारपुरी का निरीक्षण किया। अब दो एसयूवी कारों का मंदिर परिसर से हेलीपैड तक संचालन होगा। लोनिवि डीडीएमए के अधिशासी अभियंता विनय झिंक्वाण ने बताया कि दोनों वाहनों को स्टोर में रखा गया है।

धाम में निर्माण कार्यों के लिए 11 वाहन

केदारनाथ में निर्माण कार्यों के लिए विभिन्न एजेंसियों के पास करीब 11 वाहन हैं। इनमें चार पोकलैंड, दो डंपर, दो स्नो कटर, एक ट्रेक्टर और दो जेसीबी शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर भी शुरू हुआ विरोध, तीखी टिप्पणी कर रहे लोग

पर्यावरण के लिहाज बेहद संवेदनशील केदारनाथ मंदिर क्षेत्र में डीजल चालित एसयूवी का विरोध बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर एसयूवी के मुद्दे पर यूजर बीकेटीसी और सरकार के इस फैसले पर तीखे सवाल उठा रहे हैं। जहां एसयूवी के विरोध में लोगों की संख्या बढ़ रही है, वहीं समर्थन में कोई नजर नहीं आ रहा।

रुड़की में ग्रीष्म उत्सव शुरू

रुड़की। डीएवी कॉलेज मैदान में ग्रीष्म उत्सव प्रदर्शनी और मेले का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक प्रदीप बत्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर मेले का उद्घाटन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति विशिष्ट अतिथि रहे। विधायक बत्रा ने बताया कि इस वर्ष ग्रीष्म उत्सव मेले का आयोजन और भी भव्य रूप से किया गया है। जिसमें नगरवसियों के मनोरंजन के लिए अब तक के सबसे बड़े और आधुनिक झूले लगाए गए हैं। प्रसिद्ध स्वादिष्ट व्यंजनों और शॉपिंग की दुकानों से मेले का बाजार भरा है। मेला संचालक सत्यपाल त्यागी ने बताया कि एक माह चलने वाले इस मेले में प्रतिदिन दो से तीन हजार लोग आएंगे। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय त्यागी, निगम पार्षद प्रदीप त्यागी, पूर्व पार्षद अनुराधा त्यागी, विवेक काम्बोज, नितिन लखानी, यती त्यागी, अनुराग, शशांक, मनू, विशान्त, तुषार, सोनाली और प्राची आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

दो डिग्री गिरा तापमान, फौरी राहत

हरिद्वार। चिलचीलाती गर्मी का असर ग्रामीण क्षेत्र में अधिक देखने को मिल रहा। सुबह ग्यारह बजे के बाद शाम चार बजे तक ग्रामीण सड़कों और देहात के बाजारों मे सन्नाटा पसरा रहता है। बीते दो सप्ताह से लू और चिलचीलाती गर्मी से शहर से गांव तक लोग मुश्किल में हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लोग घरों से निकल कर पेड़ों की छांव तलाशते नजर आ रहे हैं। बिजली और पंखा होने के बाबजूद तपिश और लू ने लोगों का हाल बेहाल कर रहा है। खेत खलियानो में काम करने के लिए मजदूर से कामगार तक मुश्किल में है। सभी को बारिश का इंतजार है। प्रयाप्त सिंचाई के आभाव में गन्ने और अन्य फसल सूखने लगी है।

रामकृष्ण मिशन का 124वां स्थापना दिवस मनाया

हरिद्वार। कनखल स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम का 124 वां स्थापना दिवस रविवार को विशेष पूजा अर्चना और यज्ञ के साथ मनाया गया। इस दौरान मठ मिशन कनखल के सचिव डॉ. स्वामी दयामूर्त्यानन्द ने लगातार निरंतर चल रही सेवाओं के बारे में जानकारी दी। बताया गया कि 1889 -1890 में स्वामी विवेकानंद जब खुद अपने ऋषिकेश भ्रमण के दौरान मलेरिया से ग्रसित हुए तो उन्हें अपने शिष्य स्वामी कल्याणआनंद से हरिद्वार में साधुओं, गरीबों और तीर्थ यात्रियों के लिए अस्पताल शुरू करने को कहा। कई साल बाद स्वामी निश्चयानंद ने इस कार्य को पूरा किया। रामकृष्ण मठ मिशन कनखल के सचिव डॉ. स्वामी दयामूर्त्यानन्द ने कहा कि 1 जून 1901 से शुरुआत हुई साधु एवं रोगी नारायण सेवा आज तक लगातार चल रही है। 190 बेड के अस्पताल में आईसीयू, डायलिसिस यूनिट,एचडीयू एमआरआई आदि सुविधाएं उपलब्ध है। इस मौके पर जितेन महाराज, मंजूनाथ महाराज, गोकुल सिंह, सुनील मुखर्जी, कृष्णमूर्ति, नीना सेठ, सभी डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

शांतिभंग में युवक का चालान

हरिद्वार। ज्वालापुर पुलिस ने रविवार को एक युवक का शांतिभंग करने के आरोप में चालान किया है। एसएसआई राजेश बिष्ट ने बताया कि तरुण खेवडिया निवासी चौक बाजार विवाद कर रहा था। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में लिया। बताया कि आरोपी का संबंधित धारा में चालान कर दियागया।

23 राउंड में 92 टेबलों पर होगी 11 विधानसभाओं की मतगणना

हरिद्वार। जिला निर्वाचन अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने बताया कि सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की काउंटिग शुरू होगी। आठ हजार से अधिक वोट पोस्टल बैलेट हैं, जिसमें चार घंटे का समय लग सकता है। प्रत्याशियों के एजेंटों को सुबह पांच बजे बुलाया गया है। मशीनों से काउंटिंग में साढ़े घंटे का समय लगने का अनुमान है। कर्मचारियों को सुबह चार तक पहुंचना है। सोमवार को कर्मचारियों को ब्रीफ किया जाएगा।

निकाह से लौट रहे व्यक्ति पर सरेराह हमला

हरिद्वार। क्षेत्र के मोहल्ला कस्साबान निवासी अरशद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 31 मई को उसका बहनोई नसीम उर्फ मंगता सराय रोड स्थित विवाह मंडप में निकाह समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहा था। आरोप है कि ट्रांसपोर्ट नगर के पास पहुंचते ही उसे शाहरियाज, कल्लू, कासिफ निवासी मोहल्ला कस्साबान ने रोक लिया और डंडे, लोहे की रॉड से हमला कर दिया। बुरी तरह पिटाई कर उसके बहनोई को अधमरा कर आरोपी हत्या की धमकी देकर फरार हो गए।

बहू ने सास-ननदों को पीटा

हरिद्वार। पुलिस को दी शिकायत में नरगिस पत्नी मीर अहमद निवासी निकट सीएमआई अस्पताल पीठ बाजार ने बताया कि उसकी बहू सोनिया और उसके मायके पक्ष उनसे रंजिश रखते हैं। पूर्व में भी बहू उसके खिलाफ झूठी शिकायत कर चुकी है। आरोप है कि 29 मई को बहू सोनिया अपने रिश्तेदार नाजरीन, सुलेमान, सोनू के साथ उनके घर में घुस आई और उन पर हमला कर दिया। बीच बचाव में आई उसकी बेटियों को भी नहीं बख्शा।

रिस्पना नदी में चलाया सफाई अभियान

देहरादून। उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं ईकोग्रुप सोसाइटी की ओर से रिस्पना पुनर्जीवन के लिए रविवार को रिस्पना नदी, चुनाभट्टा, रायपुर रोड क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में करीब 190 किलो मिश्रित वेस्ट को निस्तारण के लिए भेजा गया। बोर्ड से संध्या शर्मा, निहारिका डिमरी, नितिन डिमरी, यूबीटी से पीयूष बिष्ट, मनीष रतूड़ी, प्रज्ज्वल जोशी, अरविंद, आरती मिश्रा, ईको ग्रुप सोसायटी से अनिल कुमार मेहता, आशीष गर्ग, भारत शर्मा, संजय भार्गव, मनीष जैन, आशीष नेगी, गौरव सिंह, निखिलेश नवानी और हिमालय पर्यावरण कानसॉल्टेंट से दीपक,जयवीर रावत आदि रहे।

गौ, गंगा और गायत्री रक्षा के लिए गंगा आरती की

ऋषिकेश। श्री परशुराम महासभा की ओर से रविवार को ऋषिकेश स्थित त्रिवेणीघाट पर 16 दिवसीय गंगा आरती संपन्न की। गंगा आरती के जरिए महासभा के सदस्यों ने गो, गंगा, गायत्री की रक्षा के साथ ही चारधाम यात्रा निर्विघ्न संपन्न होने की प्रार्थना की। महासभा के अध्यक्ष संदीप शास्त्री ने कहा कि यह संस्था द्वारा बीते 16 दिनों से त्रिवेणी घाट पर गंगा आरती करवाई जा रही थी, जिसका मुख्य उद्देश्य गौ, गंगा, गायत्री रक्षार्थ, देश में दैवीय आपदा तथा महामारी की पुनरावृत्ति ना हो, चारधाम यात्रा निर्विघ्न रूप से संपन्न हो और सभी देशवासी सुखी रहें। गंगा आरती में पहुंची राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा कुसुम कंडवाल ने कहा कि देशवासियों की खुशहाली के लिए यह गंगा आरती की गई, जो सराहनीय है। भविष्य में भी इस तरह के धार्मिक आयोजन होते रहने चाहिए। मौके पर श्री गंगा सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकृपाल गौतम, महामंत्री राहुल शर्मा, अरुण शर्मा, आरडी गौनियाल, प्यारेलाल जुगरान, नरेंद्र दीक्षित, ओम प्रकाश शर्मा, मदन कुमार शर्मा, विनोद कोठारी, राजेश कंडवाल, अनीता रैना, सरोज डिमरी, रीना शर्मा, डीके मुद्गल आदि उपस्थित रहे।

मारपीट का केस दर्ज

रुड़की। खेत की मेड को लेकर हुए झगड़े में पुलिस ने रविवार को तीन हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोटवाल आलमपुर में खेत की मेढ़ को लेकर दो पक्षों में 29 मई को झगड़ा हो गया था। झगड़ा होने पर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के दो लोगों के खिलाफ मुकदमा कराया था। वहीं अब दूसरे पक्ष के उस्मान ने तहरीर देकर बताया कि 29 मई को सुबह खेत पर गया तो खेत की मेढ़ को लेकर सैयद, शोएब और शाहिद ने जानलेवा हमला किया था। कार्यवाहक थाना अध्यक्ष रविंदर का कहना है कि तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।